साध्य दैनिक
नई दृष्टिबिंदु
सच की शक्ति, जनता की दृष्टि
PRGI Reg No - CTHIN/25/A3746
वर्ष-01 अंक-199 | संपादक आलोक तिवारी | दुर्ग, शुक्रवार 07 अगस्त 2026 | पृष्ठ 08 | मूल्य -2 रुपए

सु-विचार

" नियति के आगे किसी का आग्रह नहीं चलता, जो त्याग स्वेच्छा से न हो सके, वह त्याग नियति विवशता से करवा देती है।...!!

अज्ञात...

क्या 'इंडिया ब्लॉक' में शामिल होंगे प्रशांत किशोर..?

संसद में अमित शाह पर राहुल की शर्त, परिसीमन बिल रोकने की रणनीति

नई दृष्टिबिंदु / नई दिल्ली

संसद के मानसून सत्र में सरकार और विपक्ष के बीच गतिरोध लगातार बढ़ रहा है। जंतर-मंतर छात्र आंदोलन को लेकर जहां संसद का कामकाज ठप है, वहीं बिहार से लेकर महाराष्ट्र तक नए सियासी समीकरण भी आकार ले रहे हैं। इसी बीच चुनावी रणनीतिकार से नेता बने प्रशांत किशोर को 'इंडिया ब्लॉक' का ऑफर और संसद में राहुल गांधी की शर्तें सुखियों में हैं।

चुनावी रणनीतिकार से राजनेता बने प्रशांत किशोर को लेकर सियासी सरगर्मी तेज हो गई है। इंडिया गठबंधन का न्योताः बिहार में वामपंथी राजनीति के बड़े चेहरे और इंडिया ब्लॉक के मजबूत स्तंभ दीपांकर भट्टाचार्य ने प्रशांत किशोर को औपचारिक रूप से 'इंडिया गठबंधन' में शामिल होने का न्योता दिया है। बांकीपुर से चुनाव जीतने के बाद PK अचानक मुंबई पहुंचे। वहां उन्होंने ठउढ प्रमुख और महाराष्ट्र की उपमुख्यमंत्री सुमित्रा पवार और उनके बेटे पार्थ पवार से लंच पर मुलाकात की।

अजीत पवार के निधन के बाद महाराष्ट्र ठउढ में बनी स्थिति के बीच PK की यह मुलाकात भविष्य के नए राजनीतिक गठबंधनों का संकेत मानी जा रही है। संसद में गतिरोधः राहुल गांधी ने रखी अमित शाह पर शर्त संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने जब गतिरोध समाप्त करने के लिए लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी से बात की, तो उन्होंने 3 बड़ी शर्तें रख दीं।

राहुल गांधी और विपक्ष की मांगें

20 जुलाई को जंतर-मंतर पर प्रदर्शनकारी छात्रों पर हुए पुलिस एक्शन - लाठीचार्ज और पेलेट गन के इस्तेमाल - पर गृह मंत्री अमित शाह खुद सदन में आकर स्पष्टीकरण दें। राम मंदिर से जुड़े वित्तीय लेनदेन और चंदे के विषय पर संसद में पारदर्शी और व्यापक बहस कराई जाए। जंतर-मंतर घटना पर प्रधानमंत्री देश के छात्रों से माफी मांगें। राज्यसभा में नेता प्रतिपक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने भी हमला बोलते हुए कहा कि 15 दिनों से सत्र चल रहा है और गृह मंत्री सदन से गायब हैं। यह या तो संसद की अनदेखी है या फिर सरकार जवाब देने से डर रही है।

क्या परिसीमन बिल रोकने का है प्लान?

राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि विपक्ष का यह कड़ा रुख सिर्फ छात्र आंदोलन तक सीमित नहीं है। विपक्ष छात्रों के मुद्दे के बहाने परिसीमन बिल को संसद में पेश होने से टालना चाहता है। मानसून सत्र की कार्यवाही लगातार बाधित रहने से सरकार फिलहाल परिसीमन बिल को आगे नहीं बढ़ा पा रही है, जिससे विपक्ष अपनी योजना में कामयाब दिख रहा है। परिसीमन बिल को पास कराने के लिए सरकार को 2/3 बहुमत चाहिए, और ऐसे में विपक्ष का सत्र बाधित करना सरकार के लिए बड़ी चुनौती बन गया है।

भिलाई इस्पात संयंत्र ने जुलाई 2026 में रचा नया कीतिर्मान

सिंटर प्लांट, ब्लास्ट फर्नेस-8 और एसएमएस-3 समेत कई इकाइयों ने बनाए रिकॉर्ड

नई दृष्टिबिंदु /भिलाई।

भिलाई। सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र ने जुलाई 2026 में उत्पादन के क्षेत्र में शानदार प्रदर्शन करते हुए अनेक प्रमुख इकाइयों में अब तक के सर्वश्रेष्ठ जुलाई रिकॉर्ड तोड़ दिए हैं।

संयंत्र ने समेकित उत्पादन मानकों में भी उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की है, जिसने वर्ष 2023 के सभी पिछले रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया।

सिंटर प्लांट ने जुलाई में कुल 7,88,130 टन सिंटर उत्पादन किया, जो जुलाई 2023 के 7,21,848 टन के रिकॉर्ड से अधिक है। यह जुलाई माह में सभी उत्पादन मानकों में सबसे अधिक परिमाणात्मक वृद्धि है।

सिंटर प्लांट-3 ने भी नया कीतिर्मान स्थापित करते हुए 5,38,741 टनउत्पादन किया। पिछला रिकॉर्ड जुलाई 2023 में 5,00,929 टन था।

ब्लास्ट फर्नेस-8 ने 2,60,542 टन हॉट मेटल का उत्पादन कर जुलाई 2023 के 2,35,864 टन के रिकॉर्ड को पार किया। इसके साथ ही बीएफ-8 ने 2.46 टन प्रति घन मीटर प्रतिदिन की रिकॉर्ड उत्पादकता भी हासिल की, जो जुलाई 2025 के 2.23 टन प्रति घन मीटर प्रतिदिन से बेहतर है।

एसएमएस-3 ने ब्लूम और कास्ट स्टील में बनाए नए रिकॉर्ड

स्टील मेल्टिंग शॉप-3 का प्रदर्शन भी बेहतरीन रहा। जुलाई 2026 में ब्लूम उत्पादन 1,29,050 टन रहा, जो जुलाई 2023 के 1,07,126 टनसे अधिक है। वहीं कास्ट स्टील उत्पादन 3,38,496 टन दर्ज किया गया, जिसने जुलाई 2023 के 3,01,013 टन के पिछले रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया।

समेकित उत्पादन में भी नए कीतिर्मान

संयंत्र ने जुलाई में समेकित रूप से भी नए रिकॉर्ड बनाएः कुल हॉट मेटल उत्पादनः 5,44,049 टन, पिछला रिकॉर्ड जुलाई 2023 - 5,09,691 टन कुल क्रूड स्टील उत्पादन : 5,17,656 टन, पिछला रिकॉर्ड जुलाई 2023 - 4,82,573 टन कुल सेलेबल स्टील उत्पादन : 4,83,949 टन, पिछला रिकॉर्ड जुलाई 2023 - 4,55,247 टन भिलाई इस्पात संयंत्र के इस उत्कृष्ट प्रदर्शन को प्रबंधन और कमर्चारियों की टीमवर्क, तकनीकी दक्षता और योजनाबद्ध संचालन का परिणाम माना जा रहा है।

FCRA और परिसीमन बिल पर सरकार ने क्यों खींचे कदम पीछे?

संसद के संख्याबल और गठबंधन की मजबूरी बनी वजह

आलोक तिवारी / नई दिल्ली

संसद के कॉरिडोर से लेकर सियासी गलियारों तक इन दिनों दो बिल सबसे ज्यादा चर्चा में हैं - FCRA संशोधन बिल 2026 और परिसीमन बिल। जहां एक ओर सरकार के पास लोकसभा में साधारण बहुमत है, वहीं विशेष बहुमत वाले परिसीमन बिल को पास कराने के लिए उसे विपक्षी दलों की जरूरत पड़ रही है। इसी समीकरण की वजह से सरकार ने ऋछफ्अ बिल पर फिलहाल नरमी दिखाई है। सरकार के पास लोकसभा में लगभग 318 सांसद हैं, जो साधारण बहुमत 272 से काफी अधिक है। बावजूद इसके ऋछफ्अ संशोधन बिल 2026 पर जल्दबाजी नहीं दिख रही है।

विवाद के मुख्य बिंदु

न्यूनतम फंडिंग सीमा*: प्रस्ताव के मुताबिक यदि किसी संस्था ने पिछले 2 साल में 10 लाख से कम विदेशी चंदा लिया या खर्च किया है, तो उसका FCRA रजिस्ट्रेशन रिन्यू नहीं होगा। संपत्तियों का नियंत्रणः रजिस्ट्रेशन रद्द या रिन्यू न होने पर विदेशी चंदे से बनी संपत्तियों और फंड का नियंत्रण केंद्र द्वारा नियुक्त अधिकारी के पास चला जाएगा।

विरोध क्यों?

तमिलनाडु की FCRA, आंध्र की YSRCP और केरल के कई धार्मिक-सामाजिक संगठनों ने इस पर कड़ी आपत्ति जताई है। अमेरिकी सांसद राय मूर ने भी चिंता व्यक्त की है। सरकार को डर है कि ऋछफ्अ पर सख्ती से परिसीमन बिल के लिए जरूरी सहयोगी दूर हो सकते हैं। सूत्रों के मुताबिक बिल को फिर से JPC यानी संयुक्त संसदीय समिति के पास भेजने पर विचार चल रहा है।

परिसीमन बिलः 360 वोट का गणित

परिसीमन संविधान संशोधन बिल है, जिसे पास करने के लिए संसद में 2/3 विशेष बहुमत यानी 360 वोट चाहिए।

NDA के पास अभी स318 सांसद हैं। 360 का आंकड़ा छूने के लिए DMK, NCP और अन्य दलों का समर्थन जरूरी है। इसी कारण सरकार ऋछफ्अ जैसे विवादित मुद्दे पर नरम रुख अपनाकर इन दलों को साधने की कोशिश में है। संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने 16-18 अगस्त को विशेष सत्र बुलाने की खबरों का खंडन किया है। हालांकि बैकचैनल वार्ता जारी है। यदि बिल पास होता है तो लोकसभा सीटों की संख्या 545 से बढ़कर लगभग 850 हो सकती है।

दिन की 3 अन्य प्रमुख सुखियां

JPSC/JSSC आंदोलनः सरकार वार्ता को तैयार झारखंड में छात्रों के उग्र प्रदर्शन के बाद राज्य सरकार बातचीत के लिए राजी हो गई है। छात्रों, विशेषज्ञों और पत्रकारों का 11 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल बिना मीडिया के सरकार के समक्ष मांगें रखेगा। तरुण तेजपाल को 10 साल की सज

तहलका मैगजीन के पूर्व एडिटर तरुण तेजपाल को 2013 के यौन उत्पीड़न मामले में बॉम्बे हाईकोर्ट की गोवा बेंच ने दोषी ठहराते हुए 10 साल की सजा सुनाई है। निचली अदालत ने उन्हें बरी कर दिया था, जिसे हाईकोर्ट ने पलट दिया।

अतीक अहमद के बेटे आबान की सड़क हादसे में मौत

उमेश पाल हत्याकांड के आरोपी और माफिया अतीक अहमद के सबसे छोटे बेटे आबान अहमद की कानपुर-झांसी हाईवे पर कार डिवाइडर से टकराने से मौत हो गई। वह झांसी जेल में बंद अपने भाई अली से मिलने जा रहा था।

प्रशांत किशोर की सुनेत्रा पवार से मुलाकात

नई दृष्टिबिंदु / मुंबई

राजनीतिक रणनीतिकार से जननेता बने *प्रशांत किशोर की मुंबई में महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री और एनसीपी के वरिष्ठ नेता अजीत पवार की पत्नी तथा एनसीपी की राष्ट्रीय अध्यक्ष सुनेत्रा पवार से हुई मुलाकात ने सियासी गलियारों में नई चर्चाओं को जन्म दे दिया है। इस दौरान एनसीपी नेता पार्थ पवार भी मौजूद थे। बांकीपुर उपचुनाव में जीत के तुरंत बाद हुई इस मुलाकात को लेकर कई तरह की अटकलें लगाई जा रही हैं। सवाल उठ रहे हैं कि क्या यह सिर्फ एक शिष्टाचार भेंट थी, या राष्ट्रीय राजनीति में नए संवाद और संभावित समीकरणों की शुरुआत? प्रशांत किशोर शुरू से ही पारंपरिक राजनीति से अलग सोच और प्रयोगों के लिए जाने जाते हैं। रणनीतिकार के तौर पर कई दलों के साथ काम करने के बाद अब वे 'जन सुराज' के बैनर तले खुद सक्रिय राजनीति कर रहे हैं। ऐसे में देश के अलग-अलग राज्यों के नेताओं से उनकी मुलाकातों को स्वाभाविक तौर पर राजनीतिक नजरिए से देखा जा रहा है। बांकीपुर की जीत ने प्रशांत किशोर की स्वीकायर्ता और राष्ट्रीय प्रभाव को बढ़ाया है। इसीलिए उनकी हर गतिविधि और मुलाकात पर देशभर की नजर है। हालांकि, एक मुलाकात के आधार पर किसी नए गठबंधन या रणनीति का निष्कर्ष निकालना जल्दबाजी होगी। संबंधित पक्षों की ओर से कोई आधिकारिक जानकारी अभी सामने नहीं आई है। फिलहाल इसे राजनीतिक चर्चाओं और संभावनाओं के रूप में ही देखा जा रहा है। राजनीति संभावनाओं का खेल है।

तुमड़ीबोड़ पुलिस ने किया 4 टन बिजली वायर चोरी का खुलासा

CCTV से मिली सुराग, 18 .50 लाख की संपत्ति जप्त, 2 आरोपी गिरफ्तार

नई दृष्टिबिंदु / राजनांदगांव।

पुलिस चौकी तुमड़ीबोड़ ने 33 के.व्ही. बिजली एल्युमिनियम वायर की सनसनीखेज चोरी का खुलासा करते हुए 2 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के कब्जे से लगभग 18.50 लाख की संपत्ति बरामद की गई है। को प्रार्थी शुभम सोनी ने रिपोर्ट दर्ज कराई कि ग्राम दीवानभेड़ी स्थित साइट पर डंप किए गए 33 के.व्ही. बिजली एल्युमिनियम वायर करीब 04 टन जिसकी कीमत 10.50 लाख है, को अज्ञात चोरों ने चोरी कर लिया है।

रिपोर्ट पर थाना तुमड़ीबोड़ में अपराध क्रमांक 309/2026 धारा 303(2) बीएनएस के तहत मामला दर्ज कर विवेचना शुरू की गई।

एसपी सुश्री अंकिता शर्मा के निर्देशन, एएसपी कीर्तन राठौर के मार्गदर्शन और नगर पुलिस अधीक्षक वैशाली जैन के दिशा-निर्देशन में विशेष टीम गठित की गई।

सीसीटीवी फुटेज के विश्लेषण से चोरी में प्रयुक्त अशोक लेलैंड मिनी ट्रक क्रमांक CG 04 QJ 0363 की पहचान हुई। मुखबीर से सूचना मिली कि आरोपी चोरी की वायर को बिक्री के लिए बिलासपुर ले जा रहे हैं। इस पर पुलिस टीम ने रायपुर-बिलासपुर हाईवे पर घेराबंदी कर दोनों आरोपियों को दबोच लिया।

आरोपियों से 5 बंडल 33 के.व्ही. एल्युमिनियम वायर कीमत 10.50 लाख और घटना में प्रयुक्त मिनी ट्रक कीमत ?08 लाख जप्त किया गया। आरोपियों के विरुद्ध धारा 303(2), 317(2), 3(5) बीएनएस के तहत कार्रवाई कर उन्हें न्यायालय में पेश किया गया। न्यायालय ने दोनों को न्यायिक रिमांड पर जिला जेल राजनांदगांव भेज दिया है। मामले में शामिल अन्य फरार आरोपियों की तलाश जारी है।

सराहनीय भूमिका

इस कार्रवाई में तुमड़ीबोड़ चौकी प्रभारी उप निरीक्षक धनीराम नारंगे, सउनि नंदकुमार फरदिया, प्रआर लोकनाथ वर्मा, आरक्षक लोकेश साहू, चंद्रशेखर यादव तथा साइबर सेल राजनांदगांव के आरक्षक जीवन ठाकुर, मोहन साहू, मनोज खुंटे, प्रख्यात जैन की महत्वपूर्ण भूमिका रही। एसपी अंकिता शर्मा ने टीम की त्वरित कार्रवाई और तकनीकी विश्लेषण की सराहना की है।

ढाबा संचालक ने शिवनाथ नदी में लगाई छलांग

सुसाइड नोट में 3 लोगों के नाम, मानसिक प्रताड़ना का लगाया आरोप, पुलिस जांच में जुटी

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

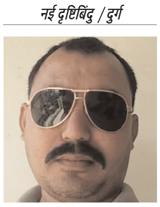

दुर्ग-धमधा मार्ग पर पथरिया चौक के ढाबा संचालक संजय ओझा ने गुरुवार सुबह शिवनाथ नदी में छलांग लगाकर आत्महत्या कर ली। घटना के बाद नदी में मिला सुसाइड नोट और उसमें तीन लोगों के नाम लिखे होने से मामला अब केवल आत्महत्या का नहीं, बल्कि संभावित मानसिक प्रताड़ना की जांच का बन गया है।

सुबह घर से निकले, पुल से लगा दी छलांग

परिजनों के अनुसार संजय ओझा रोज की तरह सुबह घर से निकले थे। परिवार को लगा वे ढाबे जा रहे हैं, लेकिन वे सीधे शिवनाथ नदी के पुल पर पहुंचे और नदी में कूद गए। प्रत्यक्षदर्शियों की सूचना पर धमधा और नंदिनी थाना पुलिसररर मौके पर पहुंची। रऊम्क्ष्ट की टीम को भी बुलाया गया। करीब 2 घंटे चले रेस्क्यू ऑपरेशन के बाद गोताखोरों ने संजय ओझा का शव नदी से बाहर निकाला। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर पुलिस ने मर्ग कायम कर लिया है।

सुसाइड नोट में लिखे तीन नाम

पुलिस जांच में सामने आया कि संजय ओझा ने आत्महत्या से पहले पत्नी के नाम सुसाइड नोट लिखा था। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार नोट में जफर खाना, बचा खान और मेडेसरा गांव के पूर्व सरपंच उल्लास पटेल का नाम लिखकर मानसिक प्रताड़ना का उल्लेख किया गया है। हालांकि पुलिस ने कहा है कि यह आरोप अभी सुसाइड नोट में लिखी बातों पर आधारित हैं। इनकी स्वतंत्र पुष्टि और न्यायिक सत्यापन होना बाकी है।

नंदिनी थाना प्रभारी ने बताया कि मामले की हर एंगल से जांच की जा रही है। क्या आर्थिक तंगी थी, लेन-देन या जमीन का विवाद था, पारिवारिक कारण थे या वास्तव में मानसिक दबाव था - इन सभी बिंदुओं की पड़ताल की जाएगी। पुलिस परिजनों, करीबी लोगों और सुसाइड नोट में नामजद लोगों से पूछताछ करेगी। पोस्टमार्टम रिपोर्ट और अन्य साक्ष्यों के आधार पर आगे की वैधानिक कार्रवाई तय होगी।

इस घटना के बाद क्षेत्र में तरह-तरह की चर्चाएं हैं। पुलिस का कहना है कि जांच पूरी होने से पहले किसी को दोषी मानना उचित नहीं होगा। सुसाइड नोट में लिखे आरोपों की निष्पक्ष जांच कर सच सामने लाया जाएगा। फिलहाल पूरे मामले में पुलिस जांच जारी है।

रायपुर में लिव-इन पार्टनर ने बीएड छात्रा की गला दबाकर की हत्या

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

राजधानी रायपुर के बोरियाकला स्थित हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी में एक सनसनीखेज वारदात सामने आई है। यहां रह रही एक बीएड छात्रा की उसके लिव-इन पार्टनर ने मारपीट के बाद गला दबाकर हत्या कर दी। घटना के बाद आरोपी युवती को बेसुध हालत में मेकाहारा यानी अंबेडकर अस्पताल ले गया और वहां से फरार हो गया। मृतका की पहचान भारती नेताम के रूप में हुई है। आरोपी का नाम सावंत बघेल बताया जा रहा है। मुजगहन पुलिस के अनुसार कांकेर जिले के ग्राम कोकपुर निवासी भारती नेताम रायपुर के विकास महाविद्यालय में बीएड कर रही थी। वह पिछले 6-7 महीनों से कोंडागांव निवासी सावंत बघेल, जो डी.एल.एड. का छात्र है, के साथ बोरियाकला में लिव-इन रिलेशनशिप में रह रही थी। मृतका की शिक्षिका बहन ने बताया कि सावंत लगातार भारती के चरित्र पर शक करता था और उसके साथ मारपीट करता था। 4 अगस्त की रात भारती ने फोन कर बहन को बताया था कि सावंत ने उसके साथ मारपीट की है और वह वापस गांव कोकपुर आना चाहती है।

नेहरू आर्ट गैलरी में युवा छायाकार हिमांशु वर्मा की एकल प्रदर्शनी उद्घाटित

प्रकृति और दैनिक जीवन के क्षणों को कलात्मक नजर से दर्शाते हैं चित्र

नई दृष्टिबिंदु /भिलाई।

सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र के जनसंपर्क विभाग द्वारा संचालित नेहरू आर्ट गैलरी, इंदिरा प्लेस, सिविक सेंटर में युवा छायाकार हिमांशु वर्मा की तीन दिवसीय एकल छायाचित्र प्रदर्शनी का शुभारंभ बुधवार को हुआ। मुख्य अतिथि मुख्य महाप्रबंधक (परियोजनाएं) उन्मेष भारद्वाज ने दीप प्रज्ज्वलित कर प्रदर्शनी का उद्घाटन किया। इस अवसर पर उनकी धर्मपत्नी महाप्रबंधक (सामग्री प्रबंधन) नीलू भारद्वाज भी विशेष रूप से उपस्थित रहीं।

कला और संवेदना का संगम

प्रदर्शनी का अवलोकन करने के बाद भारद्वाज ने हिमांशु वर्मा के छायाचित्रों की सराहना की। आगंतुक पुस्तिका में उन्होंने लिखा कि "छायाचित्र समय के किसी विशेष क्षण को सहेजने के साथ-साथ समाज और प्रकृति के प्रति हमारी संवेदनाओं को भी अभिव्यक्ति देते हैं।

उन्होंने कहा कि युवा कलाकारों की ऐसी रचनात्मक पहल न केवल कला के प्रति रुचि को बढ़ाती है, बल्कि समाज में सकारात्मक और सौंदर्यपरक दृष्टिकोण के विकास में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है।

मिनिमलिस्ट शैली से पहचाने जाते हैं हिमांशु वर्मा

अपनी विशिष्ट मिनिमलिस्ट शैली के लिए पहचाने जाने वाले हिमांशु वर्मा अपने चित्रों में साधारण दिखने वाले दृश्यों में छिपे असाधारण सौंदर्य को उजागर करते हैं। प्रकाश और छाया का संतुलन, सूक्ष्म भाव और क्षणभंगुर दृश्यों को संवेदनशीलता से प्रस्तुत कर वे दर्शकों को जीवन की बारीकियों को महसूस करने के लिए प्रेरित करते हैं।

हिमांशु वर्मा वर्ष 2019 में इसी गैलरी में आयोजित संयुक्त छायाचित्र प्रदर्शनी में भाग ले चुके हैं। उनकी फोटो श्रृंखला प्रख्यात फोटोग्राफर *विनीत वोहरा की मास्टरक्लास के टॉप पोटफीलियो में चयनित हो चुकी है। वे छत्तीसगढ़ शासन के स्वास्थ्य विभाग के साथ फोटोग्राफी परियोजना में भी सहयोग कर चुके हैं। उनके कार्य राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय प्रदर्शनियों में प्रदर्शित हो चुके हैं।

प्रदर्शनी 06 से 08 अगस्त 2026 तक प्रतिदिन *सायं 5:30 से रात्रि 8:30 बजे* तक आम दर्शकों के लिए खुली रहेगी। इसमें प्रकृति और दैनिक जीवन के सहज लेकिन अर्थपूर्ण क्षणों को दर्शाते हिमांशु वर्मा के नवीनतम छायाचित्र प्रदर्शित किए गए हैं। उद्घाटन समारोह में महाप्रबंधक प्रभारी (जनसंपर्क) अमूल्य प्रियदर्शी, उप महाप्रबंधक अपर्णा चन्द्रा, सहायक महाप्रबंधक जवाहर बाजपेई, उप प्रबंधक शालिनी चौरसिया सहित संयंत्र के अधिकारी, कमर्चारी, आर्ट्स क्लब के सदस्य और कला प्रेमी उपस्थित थे।

खास खबर

बांकीपुर उपचुनाव में हार के बाद भाजपा का नया नैरेटिव, मंत्री बोले- 'खरबपति से लड़ा वीर युद्ध'

नई दृष्टिबिंदु /पटना

बांकीपुर विधानसभा उपचुनाव में भाजपा की हार के बाद पार्टी नेताओं की प्रतिक्रियाएं सामने आने लगी हैं। बिहार सरकार के मंत्रीप्रमोद कुमार चंद्रवंशी ने भाजपा प्रत्याशी नीरज सिन्हा की हार को लेकर बड़ा बयान दिया है।

मंत्री चंद्रवंशी ने नीरज सिन्हा का बचाव करते हुए कहा कि "नीरज सिन्हा किसी साधारण उम्मीदवार से नहीं, बल्कि एक खरबपति से लड़े। यह सिर्फ चुनाव नहीं, बल्कि एक वीर युद्ध था। छल से उन्हें हराया गया है।"

मंत्री के इस बयान के बाद बिहार की राजनीति में नई बहस छिड़ गई है। उनके इस बयान को भाजपा द्वारा हार के कारणों को लेकर नया नैरेटिव तैयार करने की कोशिश के रूप में देखा जा रहा है।

***मंत्री का इशारा किस ओर ?**

चंद्रवंशी ने अपने बयान में सीधे तौर पर किसी का नाम नहीं लिया, लेकिन 'खरबपति' और 'छल' शब्दों के इस्तेमाल से राजनीतिक गलियारों में अटकलें तेज हो गई हैं। विपक्ष ने मंत्री के बयान को हार का ठीकरा दूसरे पर फोड़ने की कोशिश बताया है। बांकीपुर उपचुनाव के नतीजे आने के बाद से ही भाजपा के अंदर मंथन का दौर चल रहा है। पार्टी अब हार के कारणों की समीक्षा कर रही है और आगे की रणनीति तय करने में जुटी है। मंत्री के इस बयान से साफ है कि भाजपा इस हार को सामान्य चुनावी हार के रूप में नहीं देख रही, बल्कि इसे पैसे और बाहुबल के खिलाफ एक संघर्ष के रूप में पेश करने की तैयारी में है।

प्रतापपुर अपहरण-हत्या मामले में 10 आरोपी जेल भेजे गए

पुलिस की रिवीजन पिटिशन स्वीकार, कोर्ट ने 15 दिन का रिमांड दिया

नई दृष्टिबिंदु /सूरजपुर

प्रतापपुर थाना क्षेत्र के ग्राम गोंदा में हुए अपहरण और हत्या के मामले में गिरफ्तार 10 आरोपियों को प्रतापपुर पुलिस ने रिवीजन पिटिशन दाखिल कर 15 दिन का न्यायिक रिमांड प्राप्त कर जेल भेज दिया है। 24 जुलाई 2026 को ग्राम गोंदा निवासी सम्पतिया ने थाना प्रतापपुर में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। रिपोर्ट के अनुसार 23 जुलाई की रात करीब 9 बजे केंवरा निवासी ललित राजवाड़े, सकल राजवाड़े, चंदन कसेरा अपने 10 अन्य साथियों के साथ 7 मोटरसाइकिलों में आए और हरिनन्दन राजवाड़े के साथ मारपीट कर उसे घर से खींचकर ले गए। पीछा करने पर ग्राम भैंसामुड़ा केंवरा चौक पर हरिनन्दन को अधमरी हालत में फेंककर आरोपी भाग गए थे। इलाज के दौरान हरिनन्दन की मौत हो गई थी। इस मामले में थाना प्रतापपुर में अपराध क्रमांक 211/2026 धारा 296, 351(2), 115(2), 109(1), 140(1), 331(6), 190, 191(1), 191(3), 103(1) बीएनएस के तहत मामला दर्ज किया गया।

पुलिस अधीक्षक सूरजपुर योगेश कुमार पटेल के निर्देश पर जांच के बाद पुलिस ने 27 जुलाई को 10 आरोपियों को गिरफ्तार किया। आरोपियों की शिनाख्त प्राथिर्या ने कार्यपालिक दण्डाधिकारी के समक्ष की। पूछताछ में आरोपियों ने अपराध स्वीकार किया और उनकी निशानदेही पर घटना में प्रयुक्त 3 डंडे और 4 मोटरसाइकिल भी जब्त की गई।

हालांकि माननीय न्यायालय प्रतापपुर ने पहले रिमांड आवेदन खारिज कर आरोपियों को 50-50 हजार के बंधपत्र पर रिहा कर दिया था।

रिवीजन से मिला रिमांड

थाना प्रतापपुर पुलिस ने जिला अभियोजन अधिकारी के मार्गदर्शन में इस आदेश के खिलाफ जिला व अपर सत्र न्यायाधीश प्रतापपुर के न्यायालय में रिवीजन पिटिशन दाखिल की। माननीय न्यायालय ने रिवीजन स्वीकार कर 27 जुलाई का आदेश निरस्त कर दिया। इसके बाद 6 अगस्त 2026 को पुलिस ने पुनः रिमांड प्रतिवेदन पेश किया, जिसे मानते हुए कोर्ट ने सभी 10 आरोपियों को 20 अगस्त 2026 तक न्यायिक रिमांड पर भेज दिया है।गिरफ्तार आरोपीः ललित राजवाड़े, सकल प्रसाद, आशुतोष राजवाड़े, शिवम कुमार राजवाड़े, रजय गुप्ता, भुनेश्वर प्रसाद राजवाड़े, सुनील राजवाड़े, शिव कुमार राजवाड़े, राजू उर्फ सतीश राजवाड़े, मनोज कुमार राजवाड़े। पुलिस ने बताया कि मामले में फरार अन्य आरोपियों की तलाश जारी है।

नंदिनी रोड पर सड़क घेरकर रखी रेत जब्त, निगम की कार्रवाई

आयुक्त के निर्देश पर अतिक्रमण के खिलाफ अभियान जारी

नई दृष्टिबिंदु /भिलाईनगर।

नगर पालिक निगम भिलाई ने आयुक्त *सुरूचि सिंह* के निर्देश पर शहर में सड़क बाधित कर किए जा रहे अवैध अतिक्रमण के खिलाफ कार्रवाई तेज कर दी है। इसी कड़ी में बुधवार को जोन क्रमांक-3 मदर टेरेसा नगर के राजस्व और स्वास्थ्य विभाग की संयुक्त टीम ने नंदिनी रोड स्थित एक सीमेंट दुकान पर कार्रवाई की।

निगम को शिकायत मिली थी कि दुकान संचालक द्वारा सड़क पर अवैध रूप से रेत रखकर यातायात बाधित किया जा रहा है। जांच में शिकायत सही पाए जाने पर निगम की टीम ने मौके पर पहुंचकर सड़क पर रखी रेत को जब्त कर हटाया।

कार्रवाई के दौरान दुकान संचालक को भविष्य में सार्वजनिक मार्ग पर निर्माण सामग्री रखकर अतिक्रमण न करने की सख्त चेतावनी दी गई।

निगम ने दी चेतावनी

नगर निगम ने स्पष्ट किया है कि सार्वजनिक सड़कों और मार्गों पर रेत, गिट्टी या अन्य निर्माण सामग्री रखकर आवागमन बाधित करना नियमों का उल्लंघन है। ऐसे मामलों में शिकायत मिलते ही तत्काल कार्रवाई की जाएगी।

निगम प्रशासन ने नागरिकों और व्यापारियों से अपील की है कि वे सार्वजनिक मार्गों पर अतिक्रमण न करें और शहर की यातायात व्यवस्था व स्वच्छता बनाए रखने में सहयोग करें।

कृषि महाविद्यालय बेमेतरा में पर्यावरण संरक्षण एवं आपदा प्रबंधन पर कायर्शाला

बेमेतरा। रेवेन्द्र सिंह वर्मा कृषि महाविद्यालय एवं अनुसंधान केंद्र, ढोलिया-बेमेतरा में बुधवार को राष्ट्रीय सेवा योजना (ठरर) इकाई द्वारा पर्यावरण संरक्षण एवं आपदा प्रबंधनह्नविषय पर एक दिवसीय कायर्शाला आयोजित की गई। कार्यक्रम का मार्गदर्शन अधिष्ठाता डॉ. अनूप कुमार सिंह ने किया। कायर्शाला का विषय सुरक्षित पर्यावरण एवं सुरक्षित भविष रखा गया था। इसमें विद्याथिर्यों को पर्यावरण संरक्षण के साथ-साथ मानसिक स्वास्थ्य, आत्मानुशासन और सकारात्मक जीवनशैली के बारे में जानकारी दी गई। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्ज्वलन से हुआ। प्रजापिता ब्रह्माकुमारी, बेमेतरा से उपस्थित शि दीदीऔर *पियूष भाई ने छात्र-छात्राओं से परिचर्चा करते हुए पर्यावरण संरक्षण के विभिन्न पहलुओं पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने प्रदूषण कम करने, अधिक से अधिक पौधरोपण, प्राकृतिक संसाधनों का विवेकपूर्ण उपयोग, पुनर्चक्रण को बढ़ावा देने और जीव-जंतुओं की सुरक्षा के लिए सामूहिक प्रयास करने पर जोर दिया। वक्ताओं ने बताया कि पर्यावरण की सुरक्षा केवल बाहरी प्रकृति तक सीमित नहीं है, बल्कि व्यक्ति के मानसिक और आंतरिक वातावरण को सकारात्मक रखना भी उतना ही जरूरी है। इस दौरान विद्याथिर्यों को मन की एकाग्रता, स्वयं की पहचान, क्रोध पर नियंत्रण, प्रसन्नचित्त रहने, समय प्रबंधन और आत्मिक शक्ति को मजबूत बनाने के उपाय भी बताए गए। कार्यक्रम के अंत में प्राध्यापकों और छात्र-छात्राओं को 5 मिनट का ध्यान अभ्यास कराया गया। साथ ही विद्याथिर्यों को मोबाइल फोन के अनावश्यक उपयोग को कम करने और अध्ययन, स्वास्थ्य एवं रचनात्मक गतिविधियों के लिए समय का सदुपयोग करने की सलाह दी गई।

भिलाई में 'वरिष्ठजन कल्याण महासंघ' का गठन, घनश्याम देवांगन बने अध्यक्ष

वरिष्ठजनों के साथ बच्चों, युवाओं और महिलाओं के कल्याण के लिए भी करेगा काम

नई दृष्टिबिंदु /भिलाई।

अंचल के प्रबुद्धजनों, शिक्षाविदों, साहित्यकारों, समाजसेवियों और विशिष्ट नागरिकों की बैठक बुधवार को नेहरू नगर में संपन्न हुई। बैठक में सर्वसम्मति से 'वरिष्ठजन कल्याण महासंघ' नामक स्वैच्छिक, गैर-राजनीतिक एवं गैर-लाभकारी संस्था का गठन किया गया।

महासंघ वरिष्ठजनों के सम्मान, सुरक्षा और खुशहाल जीवन के साथ-साथ समाज के सभी आयु वर्गों - बच्चों, युवाओं और महिलाओं के सर्वांगीण विकास एवं जनकल्याण के लिए काम करेगा।

घनश्याम देवांगन बने संस्थापक अध्यक्ष

बैठक में वरिष्ठ समाजसेवी घनश्याम कुमार देवांगन को सर्वसम्मति से महासंघ का संस्थापक अध्यक्ष निर्वाचित किया गया। गोपाल प्रसाद तिवारी को महासचिव और दिनेश कुमार गुप्ता को कोषाध्यक्ष बनाया गया। प्रसिद्ध विद्वान एवं संस्कृताचार्य डॉ. महेशचंद्र शर्मा और 'कला परंपरा' के संपादक डॉ. डी. पी. देशमुख को महासंघ का संरक्षक नियुक्त किया गया। अध्यक्ष को कायर्कारिणी गठन, संविधान निर्माण और सोसायटी पंजीयन की वैधानिक प्रक्रिया पूर्ण कराने का अधिकार दिया गया।

समाज के हर वर्ग के लिए काम करेगा महासंघ

बैठक में तय किया गया कि महासंघ सम्मान, स्वास्थ्य, सुरक्षा, शिक्षा, साहित्य, संस्कृति, पर्यावरण संरक्षण, स्वास्थ्य जागरूकता, व्यक्तित्व विकास और राष्ट्रीय एकता जैसी लोकहितकारी गतिविधियों का नियमित संचालन करेगा।

महासंघ का प्रारंभिक कार्यक्षेत्र *जिला दुर्ग* रहेगा, जिसे आगे प्रदेश और राष्ट्रीय स्तर तक विस्तारित किया जाएगा। समान विचारधारा वाली संस्थाओं को संबद्धता देकर इसे राज्यव्यापी सामाजिक जनआंदोलन का मंच बनाया जाएगा।

क्या कहा संरक्षकों ने

संरक्षक *डॉ. महेशचंद्र शर्मा ने इसे दूरदर्शी पहल बताते हुए कहा कि यह संगठन वरिष्ठजनों के सम्मान और समाज सेवा के क्षेत्र में आदर्श संस्था के रूप में स्थापित होगा।

संरक्षक डॉ. डी.पी. देशमुख ने कहा कि महासंघ वरिष्ठजनों के साथ बच्चों, युवाओं और महिलाओं की खुशहाली के लिए भी काम करेगा। बैठक में संस्थापक सदस्य कांतिलाल विश्वकर्मा, आर. पी. वार्ष्णेय, धानेश्वर कुमार निर्मल, एल.एन. मौर्य, जोसफ, हुकुमचंद देवांगन, छाया विश्वकर्मा, सुमन देवांगन सहित सभी ने महासंघ को समाजहित की ऐतिहासिक पहल बताया। कार्यक्रम का संचालन करते हुए महासचिव गोपाल प्रसाद तिवारी ने आभार व्यक्त किया और जोसफ ने गीत प्रस्तुत किए।

आज विचार पीछे और नेता आगे हैं" : चंद्रशेखर की जन्मशती पर रायपुर में संगोष्ठी

लोकतंत्र, असहमति और समाजवाद पर हुई गहन चर्चा

नई दृष्टिबिंदु /रायपुर

पूर्व प्रधानमंत्री स्व. चंद्रशेखर की जन्म शताब्दी पर बुधवार को राजधानी के विमतारा सभागार में चंद्रशेखर जन्मशती समारोह समिति द्वारा संगोष्ठी का आयोजन किया गया। इसमें प्रदेश और देश के विभिन्न हिस्सों से आए विचारकों ने चंद्रशेखर जी को आत्मीयता से याद किया। वक्ताओं ने कहा कि प्रखर वक्ता, विद्वान राजनीतिज्ञ और जमीनी जुड़ाव के प्रतीक चंद्रशेखर के विचार आज पहले से अधिक प्रासंगिक हैं। संसदीय सवालों और लोकतंत्र की रक्षा के नायक रहे ऐसे व्यक्तित्व की भावना का जितना प्रसार होगा, देश उतना ही मजबूत होगा।

हर सवाल का स्वागत होना चाहिए

विशेष अतिथि पूर्व मंत्री रमाशंकर सिंह ने कहा कि चंद्रशेखर असहमति और विमर्श के लीडर थे। "लोकतंत्र की आत्मा सहभागिता और असहमति में है। दुर्भाग्य से आज राजनीतिक दल खुद में लोकतंत्र लागू नहीं करते, लेकिन देश में लोकतंत्र की बात करते हैं। उन्होंने बताया कि चंद्रशेखर के लिए समाजवाद का अर्थ बराबरी और समृद्धिथा। उन्होंने चिंता जताते हुए कहा आज विचार पीछे और नेता आगे हैं।

***शिक्षा-स्वास्थ्य पर चिंता**

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए आनंद ने कहा कि आज तानाशाही का वही विरोध कर सकता है जो इमरजेंसी का विरोध कर सकता था। "आज शिक्षा और स्वास्थ्य को लेकर सबसे अधिक लूट हो रही है। जो इस आग को सुलगा सके वही सबसे बड़ा नेता होता है। हमें भावनाओं में बहने की बजाय तुलनात्मक अध्ययन का साहस पैदा करना होगा।"

नई पीढ़ी तक पहुंचे विचार

राष्ट्रीय संयोजक अरुण श्रीवास्तव* ने बताया कि देशभर में चंद्रशेखर की जन्मशती पर 100 आयोजन करने की परिकल्पना है। इसका उद्देश्य नई पीढ़ी को चंद्रशेखर जी के विचारों और संघर्षों से परिचित कराना है। कार्यक्रम की शुरुआत चंद्रशेखर के व्यक्तित्व पर आधारित डॉक्यूमेंट्री से हुई। "विचार संवाद" सत्र में गौतम बंधोपाध्याय, हिंद मजदूर सभा के कार्यवाहक प्रदेश अध्यक्ष एच. एस. मिश्रा, मनमोहन सिंह सैलानी, विनोद वर्मा, सुरेंद्र शर्मा, विनय सिंह, पद्मश्री मदन चौहान, हिंद मजदूर सभा के वरिष्ठ उपाध्यक्ष अशोक पंडा, भिलाई श्रमिक सभा के महासचिव देवेन्द्र कुमार सिंह, दिलीप कौशिक, शोभा यादव, मनोज दुबे, डॉ. साव, रायगढ़ के बोईदार और पत्रकार रुचिर शर्मा ने अपने विचार रखे। कार्यक्रम का संयोजन और संचालन मनमोहन अग्रवाल ने किया।

एसपी अंकिता शर्मा ने डोंगरगढ़ टीआई को किया लाइन अटैच

डोंगरगढ़ और बोरतलाव थाने के प्रभार में बदलाव

नई दृष्टिबिंदु /राजनांदगांव।

डोंगरगढ़ क्षेत्र में लगातार बढ़ रहे आपराधिक घटनाक्रमों को गंभीरता से लेते हुए एसपी अंकिता शर्मा ने बड़ा प्रशासनिक फेरबदल किया है। डोंगरगढ़ थाने के प्रभारी टीआई भूषण चंद्राकर को लाइन अटैच कर दिया गया है। एसपी ने डोंगरगढ़ थाने में पदस्थ आरक्षक अशोक कुमार यादव और किशन कुमार चंद्रा को भी लाइन अटैच किया है। डोंगरगढ़ थाने का नया प्रभार हाल ही में प्रशिक्षण से लौटी प्रशिक्षु डीएसपी सुमन जायसवाल को सौंपा गया है। साथ ही आरक्षक मुकेश टांड़े, हीरालाल यादव और मनोज दीवान को डोंगरगढ़ थाने में पदस्थ किया गया है।

बोरतलाव और अजाक थाने में भी बदलाव

एसपी शर्मा ने बोरतलाव थाने के प्रभार में भी बदलाव किया है। *निरीक्षक हरीनाथ रावत को बोरतलाव थाना प्रभारी बनाया गया है। वहीं *निरीक्षक द्वारिका मंडावी को अजाक थाना प्रभारी की जिम्मेदारी दी गई है। पुलिस विभाग के सूत्रों के अनुसार डोंगरगढ़ में बीते कुछ समय से आपराधिक गतिविधियों में वृद्धि देखी जा रही थी। इसी को ध्यान में रखते हुए एसपी ने थाना स्तर पर यह बदलाव किए हैं ताकि क्षेत्र में कानून व्यवस्था को और बेहतर किया जा सके।

कल्याण ज्वेलर्स में डकैती की योजना नाकाम, 3 आरोपी गिरफ्तार

नई दृष्टिबिंदु / *रायपुर*

देशी पिस्टल, कारतूस और चाकू बरामद, 2 आरोपी अभी फरार

पुलिस कमिश्नर डॉ. संजीव शुक्ला के निर्देशन में की जा रही प्रोएक्टिव पुलिसिंग के तहत थाना गुढ़ियारी पुलिस ने कल्याण ज्वेलर्स, पंडरी में डकैती की योजना को नाकाम कर दिया। मुखबीर की सूचना पर कार्रवाई करते हुए पुलिस ने 3 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पकड़े गए आरोपियों से 1 देशी पिस्टल, 2 जिंदा कारतूस, 2 चाकू, 3 मोबाइल और 2500 रुपये बरामद किए गए हैं।

क्या थी योजना

गुढ़ियारी पुलिस को सूचना मिली थी कि कुछ संदिग्ध युवक रेलवे स्टेशन प्लेटफार्म नंबर 7 के पीछे नया रोड के पास डकैती की योजना बना रहे हैं। पुलिस टीम ने दबिश देकर 3 आरोपियों को हिरासत में लिया। पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि वे कल्याण ज्वेलर्स, पंडरी में रात्रि के समय डकैती करने वाले थे। योजना के तहत 1 अप्रैल 2026 को एक आरोपी ने ज्वेलर्स की रेकी भी की थी। आरोपी ज्वेलर्स की सुरक्षा व्यवस्था, आसपास का क्षेत्र और वारदात की परिस्थितियों की जानकारी जुटा रहे थे।

फरार आरोपियों की तलाश जारी

पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ थाना गुढ़ियारी में अपराध क्रमांक 321/2026, धारा 310(4) इठर और आर्म्स एक्ट की धारा 25 के तहत मामला दर्ज किया है।

इस प्रकरण में 2 अन्य आरोपी अभी फरार हैं। पुलिस के अनुसार फरार आरोपी लगातार मोबाइल पर अपडेट ले रहे थे और रेकी की फोटो शेयर कर रहे थे। उनकी गिरफ्तारी के लिए लगातार दबिश दी जा रही है।

आरोपियों के नाम

1. देवांश शर्मा पिता संजय शर्मा, उम्र 19 वर्ष, निवासी सागरपुर, जनकपुरी, दिल्ली
2. सुशांत कुमार पासवा पिता दिलीप कुमार, उम्र 19 वर्ष, निवासी नजफगढ़, दिल्ली
3. मयंक सिंह पिता राहुल सिंह, उम्र 19 वर्ष, निवासी सिकंदरपुर, मुजफ्फरपुर, बिहार

पुलिस टीम को मिली सराहना

यह कार्रवाई डीसीपी उत्तर दीपमाला कश्यप, एडीसीपी उत्तर आदित्य पांडेय और एसीपी उरला पूर्णिमा लामा* के निर्देशन में की गई। थाना प्रभारी निरीक्षक नरेंद्र कुमार साहू, उप निरीक्षक कैलाश केशरवानी, पीएसआई वरदान सिंह सहित टीम की सराहनीय भूमिका रही। पुलिस अधिकारियों ने कहा कि समय पर की गई कार्रवाई से संभावित बड़ी डकैती की वारदात को टालने में सफलता मिली है। प्रकरण में आगे की वैधानिक कार्रवाई जारी है

खास खबर

छत्तीसगढ़ की गीता यादव और मधु सिदार जूनियर एशिया कप में दिखाएंगी जौहर

नई दृष्टिबिंदु / राजनांदगांव।

छत्तीसगढ़ की बेटियों ने एक बार फिर प्रदेश का मान बढ़ाया है। बैंगलोर में प्रशिक्षण ले रही जूनियर इंडिया कोर टीम की सदस्य यादव और *मधु सिदार का चयन मोकी, चीन में आयोजित होने वाले जूनियर एशिया कप 2026 के लिए हुआ है। 20 सदस्यीय भारतीय टीम का चयन बैंगलोर में आयोजित कोचिंग कैंप में खिलाड़ियों के उत्कृष्ट प्रदर्शन के आधार पर किया गया।

मोकी, चीन में 30 अगस्त से होगा टूर्नामेंट

गीता का यह दूसरा विदेश दौरा

छत्तीसगढ़ हॉकी के अध्यक्ष फिरोज अंसारी ने बताया कि गीता यादव पिछले 3 वर्षों से जूनियर टीम का हिस्सा हैं। उन्होंने इससे पहले बेल्जियम, नीदरलैंड और जर्मनी का दौरा किया था। यह उनका जूनियर महिला इंडिया टीम की ओर से दूसरा विदेश दौरा होगा। कबीरधाम जिले के ग्राम बोड़ला की रहने वाली गीता ने हॉकी की शुरुआत राजनांदगांव हॉकी स्टेडियम से की। 3 साल राजनांदगांव में प्रशिक्षण के बाद उनका चयन खेलो इंडिया सेंटर बहतराई, बिलासपुर के लिए हुआ था।

मधु ने 1 साल में बनाई जगह

जशपुर निवासी मधु सिदार ने बहुत कम समय में यह मुकाम हासिल किया है। स्कूल स्टेट हॉकी प्रतियोगिता से शुरुआत कर उनका चयन स्टेट एक्सीलेंसी सेंटर, बिलासपुर में हुआ। महज 1 साल के भीतर ही उन्होंने जूनियर इंडिया टीम में जगह बनाकर चीन का दौरा पक्का किया। छत्तीसगढ़ हॉकी के महासचिव मनीष श्रीवास्तव ने बताया कि इस वर्ष प्रदेश के 3 खिलाड़ियों ने भारतीय टीम में जगह बनाई है। इससे पहले अवि मानिकपुरी, बिलासपुर ने सब जूनियर भारतीय टीम का जापान में प्रतिनिधित्व किया था। दोनों खिलाड़ी कई वर्षों से राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में छत्तीसगढ़ का प्रतिनिधित्व कर चुकी हैं।

खेल जगत ने दी बधाई

गीता और मधु के चयन पर मुख्यमंत्री विष्णु देव साय, उप मुख्यमंत्री अरुण साव, विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह, उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा, सांसद संतोष पांडे, विधायक रायमुनी भगत सहित खेल एवं युवा कल्याण विभाग की निदेशक तनुजा सलामे, महापौर विक्रम सिंह सिसोदिया और हॉकी पदाधिकारियों ने बधाई दी और अच्छे प्रदर्शन की शुभकामनाएं दीं। जूनियर बालिका एशिया कप 2026 का आयोजन 30 अगस्त से 13 सितंबर 2026 तक मोकी, चीन में होगा।

बीएमडीसी सेक्टर-7 में मिशन लक्ष्मी के तहत महिला ठेका श्रमिकों का स्वास्थ्य परीक्षण शिविर

पोषण, स्वच्छता और स्तनपान पर दी गई विशेष जानकारी

नई दृष्टिबिंदु /भिलाई।

सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र के जवाहरलाल नेहरू चिकित्सालय एवं अनुसंधान केंद्र तथा निगमित सामाजिक उत्तरदायित्व विभाग के संयुक्त तत्वावधान में 04 अगस्त 2026 को बीएमडीसी, सेक्टर-7 में ठेका श्रमिक महिलाओं के लिए मिशन लक्ष्मी के अंतर्गत एक दिवसीय स्वास्थ्य परीक्षण शिविर आयोजित किया गया। शिविर में महिला ठेका श्रमिकों को समग्र स्वास्थ्य, पोषण, स्वच्छता और स्वास्थ्य संबंधी महत्वपूर्ण जानकारी के साथ आवश्यक चिकित्सकीय उपचार उपलब्ध कराए गए।

महिलाओं को स्वास्थ्य के प्रति किया गया जागरूक

मुख्य चिकित्सा अधिकारी (चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवाएं) डॉ. उदय कुमार ने मिशन लक्ष्मी के तहत उपलब्ध स्वास्थ्य सुविधाओं की जानकारी देते हुए महिलाओं को नियमित स्वास्थ्य परीक्षण और समय पर चिकित्सकीय परामर्श लेने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने इसे महिला स्वास्थ्य सशक्तीकरण की दिशा में महत्वपूर्ण पहल बताया। अतिरिक्त मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. नीली कुजूर ने कहा कि इस अभियान का उद्देश्य महिला ठेका श्रमिकों को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक बनाना और उन्हें आवश्यक स्वास्थ्य सेवाओं से जोड़ना है।

बच्चों और महिलाओं के स्वास्थ्य पर विशेष सत्र

बाल रोग विशेषज्ञ डॉ. सुभस्मिता ने बच्चों के स्वास्थ्य, पोषण और समय पर टीकाकरण के महत्व पर जानकारी दी। विश्व स्तनपान सप्ताह के अवसर पर उन्होंने स्तनपान के फायदे बताते हुए कहा कि जन्म के तुरंत बाद स्तनपान शिशु के शारीरिक-मानसिक विकास, रोग प्रतिरोधक क्षमता और संक्रमणों से सुरक्षा के लिए जरूरी है। स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ. दिव्या ने किशोरियों और महिलाओं के नियमित स्वास्थ्य परीक्षण, कैंसर के प्रारंभिक लक्षणों की पहचान, जांच और बचाव हेतु टीकाकरण पर विस्तार से चर्चा की। आहार विशेषज्ञ परोमिता दासगुप्ता ने संतुलित और पौष्टिक आहार का महत्व समझाते हुए दैनिक भोजन में पोषक तत्व शामिल करने पर जोर दिया।

कार्यक्रम के अंत में मिशन लक्ष्मी टीम ने महिलाओं के स्वास्थ्य और टीकाकरण संबंधी प्रश्नों के उत्तर दिए। प्रतिभागियों के लिए क्विज भी आयोजित किया गया जिसमें सही उत्तर देने वाली 20 महिलाओं को पुरस्कृत किया गया। शिविर का नेतृत्व डॉ. उदय कुमार और डॉ. नीली कुजूर के मार्गदर्शन में हुआ। इस दौरान महाप्रबंधक प्रभारी (मानव संसाधन) संजीव श्रीवास्तव, महाप्रबंधक (सीएसआर) मनोज दुबे, उप महाप्रबंधक (मानव संसाधन) नीरजा शर्मा, उप प्रबंधक (मानव संसाधन-एल एंड डी) सुष्मिता पाटला, उप प्रबंधक (सीएसआर) कमल वर्मा एवं सरिता चौधरी तथा बीएमडीसी स्टाफ उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन लता मिश्रा ने किया और धन्यवाद ज्ञापन शशि सिंह ने प्रस्तुत किया।

भिलाई में फुटपाथ पर अवैध कारोबार के खिलाफ निगम की कार्रवाई

सड़क और यातायात बाधित करने वालों को दी गई सख्त हिदायत

नई दृष्टिबिंदु /भिलाईनगर।

नगर पालिक निगम भिलाई द्वारा शहर में यातायात व्यवस्था सुचारू रखने और आम नागरिकों को राहत देने के लिए फुटपाथ और सड़कों पर अवैध रूप से व्यापार करने वालों के खिलाफ गुरुवार को बेदखली अभियान चलाया गया।

त्योहारी सीजन शुरू होते ही कई स्थानों पर फुटपाथ और सड़क किनारे कपड़ों की दुकानें लगाकर अवैध व्यापार किया जा रहा था। इससे सड़क बाधित होने के साथ राहगीरों और वाहन चालकों को परेशानी हो रही थी।

जोन-3 में चला संयुक्त अभियान

इसी क्रम में निगम के जोन-3 राजस्व विभाग और पुलिस बल की संयुक्त टीम ने क्षेत्र में विशेष अभियान चलाकर सड़क और फुटपाथ पर अतिक्रमण कर व्यापार करने वालों के खिलाफ कार्रवाई की। अभियान के दौरान सड़क पर फैला सामान हटवाया गया और संबंधित व्यापारियों को भविष्य में सार्वजनिक मार्ग पर दुकान नहीं लगाने की सख्त हिदायत दी गई। निगम प्रशासन ने स्पष्ट किया कि सार्वजनिक सड़क एवं फुटपाथ पर अवैध व्यापार से यातायात प्रभावित होता है, दुर्घटनाओं की आशंका बढ़ती है और नागरिकों को आवाजाही में दिक्कत होती है। इसलिए ऐसे अतिक्रमणों के खिलाफ नियमित कार्रवाई जारी रहेगी। नगर पालिक निगम भिलाई ने सभी व्यापारियों से अपील की है कि वे निर्धारित स्थानों पर ही अपना व्यवसाय संचालित करें और सड़क एवं फुटपाथ को अतिक्रमण मुक्त रखने में सहयोग करें।

निगम ने चेतावनी भी दी है कि भविष्य में दोबारा सार्वजनिक मार्ग पर अवैध रूप से दुकान लगाने वालों के खिलाफ नियमानुसार सख्त कार्रवाई की जाएगी।

वारंट तामीली अभियान में उत्कृष्ट काम करने वाले 8 थाना प्रभारियों को पुलिस आयुक्त ने किया सम्मानित

सेंट्रल जोन में 2 दिन में 143 वारंट तामील, फरार वारंटियों पर कसी नकेल

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर।

रायपुर पुलिस कमिश्नरेट के डीसीपी सेंट्रल जोन क्षेत्र में आयोजित दो दिवसीय विशेष वारंट तामीली अभियान में सराहनीय प्रदर्शन करने वाले अधिकारियों को पुलिस आयुक्त डॉ. संजीव शुक्ला और अतिरिक्त पुलिस आयुक्त तुकाराम कांबले ने प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया।

2 दिन में तामील हुए 143 वारंट

डीसीपी सेंट्रल जोन तारकेश्वर पटेल के निर्देशन और एडीसीपी विवेक शुक्ला के पर्यवेक्षण में चलाए गए इस विशेष अभियान के दौरान सेंट्रल जोन के सभी थाना क्षेत्रों में कुल 143 वारंट तामील किए गए। पुलिस अधिकारियों ने योजनाबद्ध रणनीति, तकनीकी विश्लेषण, स्थानीय सूचना तंत्र और लगातार प्रयासों से लंबे समय से फरार चल रहे वारंटियों को गिरफ्तार कर अभियान को सफल बनाया।

इन अधिकारियों को मिला सम्मान

अभियान में उत्कृष्ट कार्य के लिए निम्न अधिकारियों को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गयाःपरिवीक्षाधीन उप पुलिस अधीक्षक अमित कोसमा टीआई कोतवाली निरीक्षक सतीश सिंह गहरवार टीआई सिविल लाइन निरीक्षक यमन देवांगन, टीआई गंज निरीक्षक दीपक पासवान, टीआई तेलीबांधा निरीक्षक अजय झा, टीआई गोलबाजार निरीक्षक स्वराज त्रिपाठी, टीआई देवेंद्रनगर निरीक्षक दिपेश सैनी, टीआई मौदहापारा निरीक्षक शक्ति सिंह इन अधिकारियों को वारंट तामीली की रणनीति तैयार करने, तकनीकी और स्थानीय सूचनाओं का प्रभावी विश्लेषण करने तथा बड़ी संख्या में वारंटों की सफल तामीली सुनिश्चित करने के लिए सम्मानित किया गया।

पुलिस आयुक्त ने की सराहना

इस अवसर पर पुलिस आयुक्त डॉ. संजीव शुक्ला ने अधिकारियों की कायर्शैली और टीमवर्क की सराहना करते हुए कहा कि न्यायालयों द्वारा जारी वारंटों की समयबद्ध तामीली कानून के प्रभावी क्रियान्वयन का महत्वपूर्ण आधार है। उन्होंने निर्देश दिए कि भविष्य में भी इसी समर्पण और पेशेवर दक्षता के साथ फरार वारंटियों और अपराधियों के खिलाफ कार्रवाई जारी रखी जाए और न्यायालयीन आदेशों के पालन को सवीच्च प्राथमिकता दी जाए। कार्यक्रम में डीसीपी तारकेश्वर पटेल, एडीसीपी विवेक शुक्ल, एसीपी कोतवाली दीपक मिश्रा और एसीपी सिविल लाइन रमाकांत साहू उपस्थित रहे।

33 प्रकार की दिव्य शक्तियों की उपासना है वैदिक यज्ञ' : आचार्य अजय आर्य

भिलाई में सावन सत्संग एवं वैदिक यज्ञ संपन्न, 'सावन हमें सुनना सिखाता है'

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

आर्य समाज द्वारा संचालित सावन सोमवार सत्संग एवं वैदिक यज्ञ अभियान के अंतर्गत सेक्टर-9, भिलाई में सोमवार को श्रद्धा और वैदिक मंत्रोच्चार के साथ वैदिक यज्ञ का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य यजमान श्रीमती अनीता भारद्वाज एवं परिवार रहे। यज्ञ का संचालन आचार्य अंकित शास्त्री एवं ब्रह्मचारी नंदलाल आर्य ने किया। श्रद्धालुओं ने विश्वशांति, पर्यावरण संरक्षण, परिवार की सुख-समृद्धि और राष्ट्र के उज्ज्वल भविष्य की कामना के साथ आहुतियां अर्पित कीं।

अपने उद्बोधन में आचार्य डॉ. अजय आर्य ने 33 करोड़ देवी-देवताओं की प्रचलित धारणा को लेकर फैली भ्रांति को दूर किया। उन्होंने कहा कि समाज में सबसे बड़ी भ्रांति है कि हिंदू धर्म में 33 करोड़ देवता हैं। वेद ऐसा नहीं कहते।

"संस्कृत में 'कोटि' शब्द का अर्थ 'प्रकार' भी होता है और 'करोड़' भी। इसी भाषाई भ्रम के कारण 33 कोटि देवताओं को 33 करोड़ मान लिया गया। जबकि वेदों में 33 प्रकार की दिव्य शक्तियों का वर्णन है" - आचार्य ने बताया। उन्होंने 33 देवताओं का विवरण देते हुए कहाः 8 वसु - धरा, आप, अनल, अनिल, ध्रुव, सोम, प्रत्युष और प्रभास। ये प्रकृति के आधारभूत तत्व हैं। *11 रुद्र* - दस प्राण और जीवात्मा। *12 आदित्य* - वर्ष के बारह मास। इसके अतिरिक्त इन्द्र शक्ति के प्रतीक और प्रजापति सृष्टि के पालनकर्ता हैं। यही मिलकर 33 देवता हैं।

***यज्ञ जीवन को श्रेष्ठ बनाने की 'ऑल इन वन' कायर्शाला**

आचार्य ने कहा कि यज्ञ केवल अग्नि में सामग्री डालना नहीं है। महर्षि पाणिनि के अनुसार 'यज्' धातु के तीन अर्थ हैं - देवपूजा, संगतिकरण और दान। यानी श्रेष्ठ गुणों का सम्मान, श्रेष्ठ लोगों का संग और समाज के लिए समर्पण। उन्होंने आधुनिक उदाहरण देते हुए कहा कि जैसे पहले टेप रिकॉर्डर से शुरू होकर आज एक ही मोबाइल में अनेक काम होते हैं, उसी तरह यज्ञ भी आध्यात्मिक जीवन का 'ऑल इन वन' माध्यम है। इसमें भक्ति, ज्ञान, सेवा, दान, पर्यावरण और आत्मशुद्धि सब समाहित हैं।

सावन सिखाता है सुनना

आचार्य ने कहा कि 'सावन' वास्तव में 'श्रवण' का महीना है। "आज परिवार टूट रहे हैं क्योंकि हर कोई बोलना चाहता है, सुनना कोई नहीं चाहता। भगवान ने हमें दो कान और एक जीभ दी है ताकि हम बोलने से दोगुना सुनें"। उन्होंने कहा कि 'जो सुनना सीख गया, उसका आधा जीवन सुधर गया'

एक अन्य प्रसंग में उन्होंने कहा, "मोबाइल की बैटरी रोज चार्ज करते हैं, लेकिन मन की बैटरी कब चार्ज करेंगे? यज्ञ, सत्संग और स्वाध्याय ही मनुष्य के जीवन का वास्तविक चार्जर हैं।" टकार्यक्रम के अंत में वैदिक भजन, सत्संग, प्रसाद वितरण और शांति पाठ हुआ। उपस्थित श्रद्धालुओं ने नियमित यज्ञ और वैदिक संस्कृति के प्रचार का संकल्प लिया।निःशुल्क यज्ञ के लिए संपर्कः आचार्य अंकित शास्त्री - 07999818951.

संपादकीय

जुडो खिलाड़ी को डोप टेस्ट में पॉजिटिव पाए जाने के कारण इस आयोजन से बाहर कर दिया गया

वाडा और एआईयू जैसी संस्थाओं की रिपोर्टों से भारत में इस समस्या के लगातार गहराने की पुष्टि हुई है, लेकिन खेल संस्थाओं या सरकार ने इस दिशा में कोई सख्त एवं प्रभावी पहल नहीं की है। स्कॉटलैंड के ग्लासगो में चल रहे कॉमनवेल्थ गेम्स के पहले ही दिन जुडो खिलाड़ी अरुण कुमार को डोप टेस्ट में पॉजिटिव पाए जाने के कारण इस आयोजन से बाहर कर दिया गया। इसके पहले कई अन्य भारतीय खिलाड़ियों को भी इसी टेस्ट में फेल होने के कारण इन खेलों में भाग लेने से रोक दिया गया था। खेलों की दुनिया में भारत के लिए यह नई शर्मनाक स्थिति है। हालिया वर्षों से विश्व एंटी-डोपिंग एजेंसी-वाडा- की रिपोर्ट में भारत दुनिया में डोपिंग उल्लंघन करने वाले देशों की सूची में लगातार शीर्ष पर बना हुआ है। एथलेटिक्स, वेटलिफ्टिंग, और कुश्ती में इसके सबसे ज्यादा मामले सामने आए हैं। दरअसल, कई एथलीटों के डोप टेस्ट में विफल होने के कारण ग्लासगो गेम्स में भारत के वेटलिफ्टिंग कोटा में कटौती कर दी गई। हाल में डोपिंग के मामले क्रिकेट, फुटबॉल और बॉक्सिंग जैसे खेलों में भी सामने आए हैं। नतीजतन, एथलेटिक्स इंटीग्रिटी यूनिट (एआईयू) ने भारत को उच्च-जोखिम वाली श्रेणी में डाल दिया है। एआईयू के इस निर्णय से खेल जगत में भारत की साख कमजोर हुई है। इसका नतीजा यह होगा कि अब अंतरराष्ट्रीय खेल प्रतियोगिताओं में भारतीय एथलीटों को अधिक सख्त और अतिरिक्त परीक्षणों से गुजरना होगा। बड़े खेल आयोजनों से पहले भारतीय खिलाड़ी डोप टेस्ट में फेल होते रहे, तो अंतरराष्ट्रीय खेल संघ भारत के कोटा (प्रतिनिधित्व के लिए खिलाड़ियों की संख्या) में कटौती कर सकते हैं। यह आशंका भी है कि अन्य देश और प्रायोजक भारतीय एथलीटों की उपलब्धियों को संदेह की नजर से देखने लगें। मगर इन अंदेशों से भारतीय खेल प्रशासक बेपरवाह नजर आते हैं। वाडा और एआईयू जैसी संस्थाओं की रिपोर्टों से देश में इस समस्या के लगातार गहराने की पुष्टि होती रही है, लेकिन खेल संस्थाओं या भारत सरकार ने इस दिशा में कोई सख्त एवं प्रभावी पहल नहीं की है। दुर्भाग्यपूर्ण है कि जिस समय भारत सरकार ने ओलिंपिक में अधिक मेडल जीतने की कथित योजनाओं और 2036 ओलंपिक की मेजबानी हासिल करने जैसी महत्त्वाकांक्षी बातों में देशवासियों को उलझाए रखा है, उसी समय खेल की जड़ों को डोपिंग का घुन कुतरता जा रहा है।

50 बार स्त्रियों के लिए दोस्ती रिश्ता नहीं सुकून का नाम है

विश्व मित्रता दिवस पर विशेष

साप्ताहिक जलसा

छत्तीसगढ़ की अग्रणी महिला संस्था स्वयंसिद्धा-ए मिशन विद ए विजन द्वारा गत 7 वर्षों से प्रत्येक सप्ताह संगीत, साहित्य, संस्कृति, स्वास्थ्य, सिनेमा, फोटोग्राफी, कानूनी सलाह आदि समसामयिक विषयों पर नियमित स्तंभ चलाए जाते हैं जिनमें प्रत्येक मंगलवार परिचर्चा का आयोजन किया जाता है। अधिकारियों, जिम्मेदारों, नेताओं, मंत्रियों के विचार तो हम हमेशा सुनते हैं लेकिन आम गृहणियां और माताएं समसामयिक विषयों पर क्या सोचती है इस पर हमने कभी बात नहीं की संस्था प्रमुख डॉ.सोनाली चक्रवर्ती ने परिचर्चा का आरंभ करते हुए कहा - मेरे लिए दोस्ती हमेशा ही बहुत महत्वपूर्ण रिश्ता रहा है ।यह खून का रिश्ता नहीं है इसे हम खुद चुनते हैं और खुद ही निभाते हैं ।मैंने आज से 25 साल पहले हम उम्र महिलाओं का संगठन बनाकर अपनी कला को मंच देने का निश्चित किया जिससे दोस्ती को एक नया मुकाम मिले ।हमें जो आता है हम एक दूसरे को सिखाते हैं और एक दूसरे के साथ जीवन जीने का प्रयास करते हैं ।हमारी दोस्ती आज डिप्रेशन दूर करने का माध्यम बन गई है।

रत्ना दुफारे कहती है

50 वर्षीय महिला अपने जीवन का हर उतार-चढ़ाव देख चुकी होती है ।हर सुख दुख सहन कर चुकी होती है' घर परिवार, बच्चों की जिम्मेदारियां से मुक्त हो चुकी होती है' पति अपने जीवन यापन के कार्य में व्यस्त रहते हैं और बच्चे अपने भविष्य निर्माण में। महिलाएं इस समय बहुत अकेली हो जाती है उनमें बहुत तनाव और अकेलापन आ जाता है' इस समय उनको एक दोस्त की जरूरत होती है जो उसे समझ सके और उसके मानसिक और भावनात्मक पहलू को समझ सके 'इस उम्र में कोई छोटा बड़ा कोई अमीर गरीब नहीं होता इन सब बातों से वह मुक्त हो चुकी होती है। उसे कोई ऐसा व्यक्ति चाहिए होता है' जो उसकी बातों को सुने समझे बिना किसी संकोच के वह अपनी मन की बातों को शेयर कर सके। वह कोई उम्मीद नहीं करती बस चाहती है कोई उसे सुन ले।

इस उम्र की दोस्ती इसलिए भी खास है क्योंकि इसमें कोई अपेक्षाएं नहीं होती सिर्फ अपनापन होता है वह अपने अनुभव शेयर करती है, अपनी पीड़ा बताती है बहुत से दोस्त बनती है वह दोस्त उससे भावनात्मक सहारा देते हैं उसे यकीन दिलाते हैं कि वह अकेली नहीं है हम सब साथ हैं।

इस उम्र की दोस्ती में उनका आत्मविश्वास बढ़ता है मित्रों का साथ जीवन में नई ऊर्जा भर देता है कुछ नया सीखना, पुरानी यादें ताजा करना, घूमना फिरना, दोस्तों के साथ हंसना, दोस्तों के साथ बिताया गया वक्त उनमें नई उमंग नया जोश भर देता है'आज के समय में बढ़ते तनाव और अकेलेपन के कारण जीवन नीरस लगने लगता है' 50 साल की महिलाओं के लिए मित्रता मानसिक स्वास्थ्य का भी एक मजबूत आधार बन गई है'

प्रगति नगर रिसाली निवासी अनीता चक्रवर्ती कहती हैं -"50 की उम्र के बाद ही ऐसा अनुभव होता है कि कोई ऐसा सच्चा दोस्त मिले जिसे अपनी दिल की हर बात शेयर कर सकूं। बच्चे तो अपनी दुनिया में मस्त रहते है। कोई पास रहता है कोई दूर। उस समय सिर्फ हम दोनों ही रहते है। पति और पत्नी हर समय हर बाते शेयर हम नहीं कर पाते। उस समय एक सच्चे दोस्त की बहुत जरूरत होती है जो मेरी मन की बातों को समझे और सुझाव दे क्या ठीक है क्या गलत। सच्चा दोस्त एक ही होता है ।सब दोस्त होते है लेकिन सच्चा दोस्त एक ही होता है जो बड़े नसीब से मिलता है जिससे बेझिझक अपनी हर बात शेयर कर के मन को हल्का कर सकते है, अकेलापन एकदम महसूस नहीं होता है, आत्मविश्वास बढ़ता है, मन ऊर्जा से भर जाता है जब जीवन में इस तरह का सच्चा दोस्त पास हो ।

सेक्टर 4 निवासी अनीता पांडे कहती हैं -"आज का विषय रोचक है ।बचपन की दोस्ती अलग ही होती है लड ?ा झगड़ना फिर एक हो जाना किंतु 50 के पार की दोस्ती अलग ही होती है। इस उम्र में समझ दारी आ जाती है दोस्ती का अर्थ समझ आने लगता है ।सभी जिम्मेदारियों को निभाते हुए भी व्यक्ति दोस्तों के साथ कुछ वक्त बिताने के लिए समय निकाल ही लेता है ।इससे उनके मन को सुकून और शांति मिलती है

कई घरों में तो आजकल बच्चे बाहर ही रहते हैं तो मां बाप अकेले क्या करेंगे इसलिए 50 पार की दोस्ती उन लोगों के लिए बेस्ट है क्योंकि दोस्तों के साथ इंजॉय करते हैं, घूमने जाते हैं, दोस्त ही उनका परिवार होते हैं और दोस्त ही उनके जीवन की खुशी का खजाना होते हैं इसलिए 50 पार की दोस्ती उनके लिए बेहतर है।

भोपाल निवासी सुमन रतन का कहना है दोस्ती, मित्रता, याराना..... अनेक नाम परंतु भावना केवल दिल से जुड़े होने की ।मां-बाप, भाई-बहन, सगे संबंधी खून से जुडे संबंध होते हैं जो हम चुन नहीं सकते पर दोस्त हम स्वंय चुनते हैं ।किसी भी व्यक्ति को पहचानना हो तो उसके दोस्त व सहेलियों को देखो ।दोस्त आपके व्यक्तित्व का प्रतिबिंब होते हैं। पचास पार महिलाएं हो या पुरुष, दोस्ती या मित्रता इतनी महत्वपूर्ण आखिर क्यों हो जाती है ।उम्र के इस दौर मे आपको भावनात्मक रूप से समझने वाले दोस्त ही होते हैं ।आप अपने सगे संबंधियों से यहां तक कि बच्चों से भी अपने मनोभाव शेयर नहीं कर पाते जितनी सहजता से हमउम्र मित्र या सहेली से कर पाते हैं। बच्चे जब अपनी पढाई व नौकरी के कारण दूसरे शहरों मे चले जाते हैं और आपके पास पर्याप्त समय व साधन होते हैं अपने शौक व इच्छाओं को पूरा करने के लिए तब मित्र ना केवल मार्गदर्शी होते हैं बल्कि सहचर व सहयोगी भी बनते हैं ।मुझे जब भी कुछ नया सीखने या किसी गतिविधि मे भाग लेने कि इच्छा हुई, मेरी किसी ना किसी सहेली ने भरपूर सहयोग दिया और उन्हीं की बदौलत मैं वह कार्य पूरा कर पाई ।चाहे वह कुकिंग क्लास हो, आर्ट आफ लिविंग का शिविर हो, योगा या कोई कायर्शाला। यहां तक कि स्वंयसिद्धा से भी जुड़ने का माध्यम भी प्यारी सखी ही शीला ही थी ।दोस्त उम्र के हर पड़ाव पर आवश्यक हैं परंतु पचास के पार तो परमावश्यक हो जाते हैं।

वैशाली नगर निवासी महिला उद्यमी वंदना निझावन कहती है

-"पचास की उम्र पार करने के बाद महिलाओं के लिए दोस्ती सिर्फ साथ निभाने का रिश्ता नहीं रहती, बल्कि सुकून, भरोसे और अपनापन का सबसे खूबसूरत एहसास बन जाती है। इस उम्र में दोस्त वह होती है जो बिना कहे मन की बात समझ ले, खुशियों में दिल खोलकर हँसे और मुश्किल समय में बिना किसी स्वार्थ के साथ खड़ी रहे। अब दोस्ती दिखावे, प्रतिस्पर्धा या औपचारिकता से नहीं, बल्कि सम्मान, संवेदनशीलता और सच्ची परवाह से चलती है। जीवन के उतार-चढ़ाव, जिम्मेदारियों और अनुभवों के बाद ऐसी दोस्त एक अनमोल सौगात बन जाती है, जिसके साथ बिताए कुछ पल भी मन को नई ऊर्जा और मुस्कान दे जाते हैं। सच तो यह है कि पचास के बाद सच्ची दोस्ती उम्र नहीं, बल्कि दिल की सबसे खूबसूरत पूँजी बन जाती है।

गुजरात निवासी अचर्ना सिंह कहती है

आज का विषय मेरे अनुकूल है बिल्कुल ।दोस्ती 50 पार की हो या 5 पार की मेरे लिए बहुत मायने रखता है।

हां ये जरूर है 5 पार की दोस्ती पानी की मानिंद होती है बिल्कुल साफ, स्वच्छ, खिलखिलाती साफ आकाश सी। और जब वही दोस्ती 50 पार तक मिलती रहे तो पर्वत सरीखी बन जाती है।

पर सच पूछा जाए तो हम औरतों को अभी ये 50 पार की दोस्ती की ज्यादा जरूरत होती है, क्योंकि अभी हम थोड़े अपने लिए जीना सीखने लगते हैं, कुछ अपने हिसाब से करने लगते हैं, अपने मन का करने की ख्वाहिश जागने लगती है, परिवार से इतर थोड़ा समाज के लिए समय निकालने की फुर्सत पाने लगते हैं तो इन सबको करने के लिए संघगतिया (साथी) की जरूरत तो होगी ना और तब सही मायने में असली दोस्ती की पहचान होती है। जब कुछ भी करने के लिये या कहने के लिए कोई चाहिए दोस्त से ज्यादा और कौन होगा।

50 पार की दोस्ती का मायने ये है जब ये कहे "सुन आ रही हूं तेरे पास फ्री रहना बहुत बातें करनी है।" या जब हामीनल चेंजेज के कारण कोई समझ ना पाए तो उसे ही सब सुना दे, और वो कहे
" हां रे मेरे साथ भी ऐसा हो रहा है, पर कोई समझ ही नहीं रहा" जब बच्चे खुद में व्यस्त हो जाए और ये 50 पार की औरते खुद को एकदम से खाली महसूस करने लगे तो 50पार की दोस्ती बहुत मायने रखती है।

रीता वैष्णव कहती हैं -"दोस्ती एक खूबसूरत एहसास है जो हमें ईश्वर की दी हुई वरदान है,
माँ, पिताजी, भाई बहन फिर पति पत्नी बच्चे इन रिश्तों से दुनिया चलती हैं लेकिन पता नही क्यों ?
सखी, सहेली, दोस्त एक अलग ही अद्भुत रिश्ता है। हम बचपन से ही एक अच्छा दोस्त बना लेते हैं जिनके साथ खेलना कूदना दौड़भाग करते हैं, वो दोस्त जो छतरी हाथ पर रखकर भी दोस्त के साथ भीगे उन पलो की यादें भी सुनहरी है।

उम्र के साथ हमारी ज़िंदगी में बहुत से बदलाव आते हैं लेकिन वो दिल से बने रिश्तों का एहसास को नहीं भूलते। 50 पार होने के बाद हम एक एक करके सारी ज़िम्मेदारियों से मुक्त होने लगते है
फिर अकेलेपन से परेशान इंसान दोस्त ढूँढने लगता है जिसे अपनी सुख और दुख को खुलकर बोल सके, लेकिन ये भी है हर किसी को अपना हर बात नहीं बता सकते,
दोस्त सैकड़ों होते हैं लेकिन दिल तक सिर्फ.इकादुका ही पहूंच पाता हैं, दोस्त हर उम्र में नहीं मिलते जो 50 के पार दोस्त बनते है वो भी सच्चे दोस्त नही होता दोस्त सिर्फ.और सिर्फ.बचपन वाले ही अच्छे लगते हैं जिनके साथ मिलकर खुशी होती हैं फालतू की बातें करके भी जोर जोर से ठहाके मार कर हँसते हैं। मैं ऐसे ही एक खुश नसीब इंसान हूँ जो आजतक बचपन के दोस्तों को अनमोल उपहार की तरह सहेज कर रखी हुई हूँ। मैं धन्य हूँ ईश्वर का अनोखा प्रेम दोस्ती के रूप मे पाकर। महिला उद्यमी विनीत गुप्ता कहती है-"मेहंदी पत्थर पर पीसी जाती है तभी रंग लाती है।आप इसके पत्तों को यदि हथेलियों पर मसल कर देखिये तो रंग नहीं आता।

दोस्ती भी ऐसी होती है मेरे लिए

कोई 2-3 मुलाकातों में दोस्त नहीं बनता इसे दिल में समाने के लिए..कुछ नर्म, गर्म हालतों कुछ सुख दुख भरे दिनों कुछ खारे मीठे कडवे अनुभवों के सिल पर से गुजरना होता है। 50 पार की दोस्ती का रंग शायद जीवन के अंत तक चलने वाला रंग है। जहाँ जीवन चक्र के अध्याय का रुख मोड़ लेता है एक नयी यात्रा के लिए।
मेरे जीवन में भी वो समय आया ।कुछ का साथ छूट गया ।कुछ किसी कारण से पीछे रह गए पर अब जो हैं भले कम हैं पर दिल के बहुत करीब हैं ।जब उदास होती हूं तो मेरी फोन पर आवाज सुनते ही कहते हैं क्या बात है कुछ हुआ है बता नहीं तो आ रही हूँ तो उस समय लगता है जो बच्चों और पति से साझा नहीं कर सकती वो उससे करके वापस चार्ज हो जाती हूँ क्योंकि एक समय के बाद मेरी चिंता मेरी उदासी का कारण भी मैं ही हो जाती हूँ पर दोस्त के लिए एक ऐसा कुआ जहां मेरे आंसू, मेरी खुशी, मेरे सपने सब समा जाते है,, और मिलता है प्यारा सा समाधान और एक जादू की झप्पी।" प्रगति नगर निवासी देबजानी मजूमदार कहती हैं-" पचास की उम्र के बाद एक स्त्री के लिए दोस्ती का अर्थ पूरा बदल जाता है।
पचास की उम्र के बाद दोस्ती सिर्फ साथ बैठकर हँसने या बातें करने का नाम नहीं रह जाती। यह मन को समझने वाला एक शांत सहारा बन जाती है।
इस उम्र तक एक स्त्री ने जीवन के अनेक रंग देखे होते हैं, जिम्मेदारियाँ निभाई होती हैं, रिश्तों को संजोया होता है, अपनों के लिए बहुत कुछ छोड़ा होता है। ऐसे में उसे किसी ऐसे दोस्त की तलाश होती है, जो उसे बदलने की नहीं, बस समझने की कोशिश करे ।दोस्ती वह जगह बन जाती है, जहाँ बिना किसी दिखावे के अपने मन की बात कही जा सके। जहाँ कुछ पल मुस्कुराया जा सके, बीते दिनों को याद किया जा सके और आने वाले कल के लिए फिर से उम्मीद जगाई जा सके।
इस उम्र में एक सच्चा दोस्त यह एहसास दिलाता है कि जीवन अभी भी खूबसूरत है कि अपने लिए जीना भी जरूरी है, कि सम्मान, अपनापन और विश्वास उम्र के साथ और भी अधिक अनमोल हो जाते हैं।
पचास के बाद एक स्त्री के लिए दोस्ती कोई रिश्ता नहीं, बल्कि मन का सुकून है। कुछ रिश्ते खून से बनते हैं, और कुछ दिल से। दिल से बने रिश्तों में दोस्ती सबसे सुंदर रिश्ता है। स्मृति नगर निवासी कमल चक्रवर्ती कहती है
ढ़ाई अक्षर का शब्द दोस्ती अपने आप में बेहद सुखद अहसास है। बचपन के दोस्तों से एक अलग जुड़ाव है और वो दोस्ती बेमिसाल है।
शादी के बाद ससुराल आकर भी बहुत से दोस्त बने उनसे भी मिलकर बातें करके बहुत अच्छा लगता है तभी की बनी मेरी एक दोस्त माला शर्मा है और आज तक उस दोस्ती में पहले जैसी ताजगी और सूकून है।

50 पार की दोस्ती भी बेमिसाल है।

अपनी जिम्मेदारीयों से मुक्त होकर अपनी मर्जी से जहां भी जाते हैं दोस्त बना लेते है हंसी मजाक घूमना फिरना सब उनके साथ करते हैं।
धमतरी निवास से संतोष लखोटिया कहती है -"इसी समय हमें महसूस होता है हमारा सबसे नजदीकी रिश्ता दोस्ती जिस के हम सबसे करीब रहे सब कुछ दोस्त से कहे सुने। सच में बड़ा सकून मिलता है। इसलिये तो कहते हैं -

जीवन का कोहिनूर है दोस्ती ।
वक्त की पहचान है दोस्ती ॥
मुश्किल का साथी है दोस्ती ।
भारत का इतिहास है दोस्ती ।

कमलेश आर्य ने लिखा

एक पत्र उम्र के नाम
दस्तक दे रहा है बुढ़ापा,
मैं दहलीज पर खड़ी हूं,
बुला लो चाहे जितना, आऊंगी नहीं,
इस बात पर अडी हूं,
खींचातानी दोनों ओर से है,
निकलना तो पड़ेगा ही,
सारे प्रयास जारी रखे हैं,
फिर भी डरी डरी सी हूं,
भूतकाल से सबक लिया,
वतर्मान में जी रही हूं ,
भविष्य काल कह रहा है,
मैं तो समय की घड़ी हूं,

यह समय की घड़ी जो बड़ी तेजी से आगे बढ़ती है, उसको रोकने के लिए एक सहारे की, एक ऐसे मित्र की जरूरत होती है ,जो बिना बोले हमारी सारी परेशानियों को समझ ले और हम उसकी परेशानियों को समझ लें, कितना खूबसूरत रिश्ता है ना, बस इस उम्र में ऐसा कोई दोस्त मिल जाए तो जिंदगी संवर जाती है।

प्रियदशर्नी नगर निवासी संगीता जायसवाल कहती है 'दोस्त'-एक सुकून भरा शब्द। दोस्ती एक ऐसा रिश्ता है जिसमें ना खून के रिश्तों का बंधन है, ना कोई रीति रिवाज। यह एक ऐसा रिश्ता है जिसे हम खुद चुनते हैं। खुशियों में जिसके बाहों के आगोश में झुम सकते हैं। दुख में उसी के कंधे में सर रखकर सारे दुख उड़ेल सकते हैं। सारे बंधन से आजाद है फिर भी एक प्रगाढ़ एहसास में बंधे रहते हैं। मैंने हर उम्र में दोस्ती के अहमियत को महसूस किया है। अभी तक तो व्यस्तता में जीवन चक्र चल रहा है। परिवार, बच्चे, जिम्मेदारियां अपने लिए दोस्तों के लिए समय ही नहीं निकल पाता। 50 की उम्र के आते-आते जब बहुत सारी जिम्मेदारियां हम निभा चुके हैं। धीरे-धीरे अकेलापन जब पैर पसारने लगा है तब एक ही सुखद सहारा नजर आ रहा है ..... जहां जी भर के हंस लो, जी भर के रो लो, लड़ लो फिर दोस्ती कर लो, घूम लो, मस्ती कर लो जिनका का साथ है तो हर रंग है जीवन में।
अगर आपके पास दोस्त है तो आप अमीर है, किस्मत वाले हैं।

सामाजिक सुरक्षा से आत्मनिर्भरता की राह पर

डॉ. दानेश्वरी सम्भाकर

उप संचालक, समाज कल्याण विभाग

भारत जब विकसित राष्ट्र बनने की दिशा में आगे बढ़ रहा है, तब यह स्पष्ट है कि वास्तविक विकास वही है जिसमें समाज का कोई वर्ग पीछे न छूटे। सामाजिक सुरक्षा, सम्मानजनक जीवन, सुगम अवसर और आत्मनिर्भरता - ये चार स्तंभ किसी भी आधुनिक कल्याणकारी राज्य की पहचान हैं। छत्तीसगढ़ ने पिछले ढाई वर्षों में इन्हीं मूल्यों को केंद्र में रखकर समाज कल्याण के क्षेत्र में उल्लेखनीय परिवर्तन प्रस्तुत किया है।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय और समाज कल्याण मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े के नेतृत्व में राज्य ने दिव्यांगजन, वरिष्ठ नागरिक, विधवा एवं परित्यक्त महिलाओं, उभयलिंगी व्यक्तियों और अन्य जरूरतमंद वर्गों के लिए ऐसी व्यवस्थाएँ विकसित की हैं, जिन्होंने सामाजिक न्याय को प्रशासनिक प्राथमिकता बनाया है। दिसंबर 2023 से जून 2026 के बीच की उपलब्धियाँ इस परिवर्तन की सशक्त तस्वीर हैं।

लाखों परिवारों को पेंशन का सहारा

राज्य की पेंशन योजनाएँ आज लाखों परिवारों के लिए आर्थिक संबल बन चुकी हैं। मुख्यमंत्री पेंशन योजना के लाभार्थियों की संख्या 7.10 लाख से बढ़कर 7.56 लाख हो गई है। वृद्धावस्था, विधवा, दिव्यांगजन, सामाजिक सुरक्षा और सुखद सहारा जैसी योजनाओं को मिलाकर 21.73 लाख से अधिक नागरिक नियमित सहायता प्राप्त कर रहे हैं। इस व्यवस्था की सबसे बड़ी विशेषता डिजिटल सशक्तीकरण है। लगभग 96 प्रतिशत हितग्राहियों को डीबीटी के माध्यम से भुगतान किया जा रहा है और आधार सीडिंग लगभग पूर्ण हो चुकी है। ई-केवाईसी आधारित सत्यापन ने व्यवस्था को अधिक पारदर्शी और विश्वसनीय बनाया है।

दिव्यांगजन कल्याण को नई दिशा

छत्तीसगढ़ ने दिव्यांगजन कल्याण को दान की दृष्टि से नहीं, बल्कि अधिकार और समान अवसर के दृष्टिकोण से आगे बढ़ाया है। यूडीआईडी धारकों की संख्या 2.44 लाख से बढ़कर 2.77 लाख हो गई है। कृत्रिम अंग और सहायक उपकरण योजना में लाभार्थियों की संख्या 1,161 से बढ़कर 17,038 तक पहुंची है। सामर्थ्य विकास योजना के माध्यम से कौशल और पुनर्वास को बढ़ावा मिला है। राज्य छात्रवृत्ति पाने वाले दिव्यांग विद्यार्थियों की संख्या लगभग दोगुनी होकर 14 हजार से अधिक हो गई है। फिजिकल रिफरल रिहैबिलिटेशन सेंटर, स्पेशल पाली क्लिनिक और विशेष विद्यालयों के विस्तार से सेवाओं को एकीकृत स्वरूप मिला है।

वरिष्ठ नागरिक और नशामुक्ति पर फोकस

बढ़ती वृद्धजन आबादी के बीच सियान हेल्पलाइन 155326 को प्रभावी मंच बनाया गया है। इस पर कॉलों की संख्या 1.14 लाख से बढ़कर 2.87 लाख तक पहुंच गई है, जो बुजुर्गों के बढ़ते विश्वास का संकेत है।

नशामुक्ति को स्वास्थ्य और सामाजिक पुनर्वास से जोड़ते हुए भारत माता वाहिनी योजना के अंतर्गत नशामुक्ति केंद्रों की संख्या 11 से बढ़कर 29 हुई है। लाभार्थियों की संख्या 1,967 से बढ़कर 5,220 तक पहुंची है। यहां उपचार के साथ परामर्श और पुनर्स्थापन की सुविधा भी दी जा रही है।

सुगम्य छत्तीसगढ़ अभियान और संस्थागत मजबूती

दिव्यांगजन अधिकार अधिनियम के तहत "सुगम्य छत्तीसगढ़ अभियान" शुरू कर सार्वजनिक भवनों और कार्यालयों को दिव्यांग-अनुकूल बनाया जा रहा है। अधिकारों की निगरानी के लिए "आयुक्त राज्य" के नवीन पद की स्वीकृति दूरदर्शी पहल है।

विशेष विद्यालयों, दृष्टि एवं श्रवण बाधित विद्यालयों के उन्नयन और दिव्यांगजन वित्त विकास निगम के माध्यम से ऋण वितरण के लिए महत्वपूर्ण निवेश किए गए हैं। समाज कल्याण विभाग का बजट 2023-24 में 1,512 करोड़ से बढ़ाकर 2025-26 में 1,600 करोड़ रुपये प्रस्तावित है।

डिजिटल और मानवीय संवेदना का संगम

छत्तीसगढ़ मॉडल की सबसे बड़ी विशेषता है कि यहां डीबीटी, आधार सीडिंग, ई-केवाईसी जैसी तकनीक के साथ पुनर्वास, परामर्श और आश्रय जैसी मानवीय सेवाओं को भी समान महत्व दिया गया है। पिछले ढाई वर्षों की उपलब्धियाँ लाखों वरिष्ठ नागरिकों की सुरक्षित वृद्धावस्था, हजारों दिव्यांगजनों की आत्मनिर्भरता और जरूरतमंद महिलाओं की सामाजिक सुरक्षा का जीवंत दस्तावेज हैं। छत्तीसगढ़ का यह समावेशी समाज कल्याण मॉडल सामाजिक न्याय, तकनीकी नवाचार और मानवीय गरिमा के संतुलित समन्वय का उदाहरण है।

जिला सीईओ पर दुर्व्यवहार धमकी के लगाए गंभीर आरोप, सीएम से शिकायत निष्पक्ष जांच की मांग

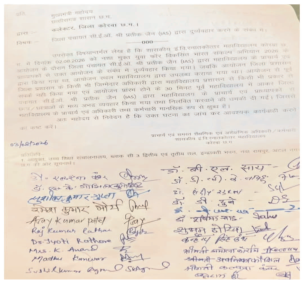
प्रति, मुख्यमंत्री महोदय, छत्तीसगढ़ शासन छ.ग.
द्वारा :- कलेक्टर, जिला कोरबा छ.ग.
विषय :- जिला पंचायत सी.ई.ओ. श्री प्रतीक जैन (IAS) द्वारा दुर्व्यवहार करने के संबंध में।
---000---
उपरोक्त विषयान्तर्गत लेख है कि शासकीय इ.वि.[स्नातकोत्तर] महाविद्यालय कोरबा छ.ग. में दिनांक 02.08.2026 को नशा मुक्त युवा फॉर विकसित भारत संकल्प अभियान 2026 के आयोजन के दौरान जिला पंचायत सी.ई.ओ. श्री प्रतीक जैन (IAS) द्वारा महाविद्यालय के प्राचार्य एवं प्राध्यापकों से उक्त आयोजन के संबंध में दुर्व्यवहार किया गया। ... अतः महोदय से निवेदन है कि उक्त घटना का जांच कर आवश्यक कार्यवाही करने का कष्ट करें।
प्राचार्य एवं समस्त शैक्षणिक एवं अशैक्षणिक अधिकारी/कर्मचारी, शासकीय इ.वि.[स्नातकोत्तर] महाविद्यालय कोरबा छ.ग.
03/08/2026

कोरबा। जिले में नवपदस्थ जिला पंचायत सीईओ आईएएस प्रतीक जैन के खिलाफ शासकीय ईवी पीजी कॉलेज प्रबंधन ने बड़ा आरोप लगाया है। कॉलेज के प्राचार्य, प्राध्यापकों और कर्मचारियों ने जिला सीईओ पर सार्वजनिक रूप से दुर्व्यवहार करने और निलंबन की धमकी देने का आरोप लगाते हुए कलेक्टर के माध्यम से मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा है। साथ ही पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराने की मांग की गई है।

जानकारी के मुताबिक इस पूरे विवाद की शुरुआत रविवार को कॉलेज परिसर में आयोजित नशामुक्त युवा फॉर विकसित भारत संकल्प अभियान कार्यक्रम के दौरान हुई। कार्यक्रम में श्रम मंत्री लखनलाल देवांगन, कलेक्टर कुणाल दुदावत, जिला पंचायत सीईओ प्रतीक जैन सहित कई जनप्रतिनिधि और अधिकारी मौजूद थे। कॉलेज प्रबंधन का आरोप है कि कार्यक्रम शुरू होने से करीब आधा घंटा पहले पहुंचे सीईओ प्रतीक जैन व्यवस्थाओं को लेकर नाराज हो गए और विद्यार्थियों के सामने प्राचार्य व शिक्षकों के साथ अभद्र व्यवहार किया।

आरोप यह भी है कि उन्होंने अधिकारियों और कर्मचारियों को निलंबन तक की चेतावनी दी, जिससे महाविद्यालय के स्टाफ में नाराजगी फैल गई।

सोमवार को पीजी कॉलेज के समस्त शैक्षणिक और अशैक्षणिक कर्मचारियों ने कलेक्टर को ज्ञापन सौंपकर इस पूरे घटनाक्रम की जानकारी दी। और बताया कि कार्यक्रम का आयोजन जिला प्रशासन कर रहा था और कॉलेज प्रशासन ने केवल परिसर उपलब्ध कराया था। उनका दावा है कि कार्यक्रम की तैयारियों को लेकर जिला प्रशासन की ओर से कॉलेज प्रबंधन से कोई समन्वय नहीं किया गया था। इसके बावजूद जिला पंचायत सीईओं ने पूरी जिम्मेदारी कॉलेज पर डालते हुए अधिकारियों के साथ अनुचित व्यवहार किया गया। वहीं दूसरी तरफ सीईओ प्रतीक जैन ने इन आरोपों को अलग नजरिए से देखा है।

उनका कहना है कि कार्यक्रम की व्यवस्थाएं बेहद खराब थीं और उन्होंने केवल उन्हें सुधारने के निर्देश दिए थे। उनके मुताबिक, इसी दौरान कॉलेज के एक असिस्टेंट प्रोफेसर ने उनके साथ अभद्र व्यवहार किया। उन्होंने यह भी दावा किया कि कॉलेज प्रबंधन ने बाद में कलेक्टर को माफीनामा सौंपा है और उन्होंने पूरे मामले की जानकारी देते हुए उच्च शिक्षा आयुक्त को भी कार्रवाई के लिए पत्र भेजा है।

अब यह मामला प्रशासनिक गलियारों में चर्चा का विषय बन गया है। एक ओर पूरा कॉलेज स्टाफ जिला पंचायत के नवपदस्थ सीईओ के खिलाफमोर्चा खोले हुए है, वहीं दूसरी ओर सीईओ भी अपनी शिकायत उच्च स्तर तक पहुंचा चुके हैं। ऐसे में अब सभी की नजर जिला प्रशासन की जांच और आगे की कार्रवाई पर टिकी हुई है।

एएसआई टंकेश्वर सहित 6 का तबादला, आदेश जारी

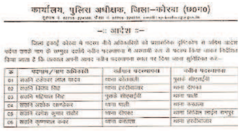
कार्यालय, पुलिस अधीक्षक, जिला–कोरबा (छ०ग०)
-:: आदेश ::-

क्र.	पदनाम/नाम अधिकारी	वर्तमान पदस्थापना	नवीन पदस्थापना
01	सउनि टकेश्वर लाल यादव	थाना कोतवाली	पुसके सीएसईबी
02	सउनि विजय सिंह	थाना हरदीबाजार	थाना दीपका
03	सउनि महिपाल सिंह	पुसके सीएसईबी	थाना पाली
04	सउनि अशोक वाण्डेकर	थाना पाली	थाना करतला
05	सउनि रमेश कुमार ठाकुर	थाना दीपका	थाना सिविल लाईन रामपुर
06	सउनि कृष्णपाल कंवर	थाना करतला	थाना हरदीबाजार

कोरबा। जिला पुलिस बल के अधीन विभिन्न थाना–चौकी में सेवाएं दे रहे 6 सहायक उपनिरीक्षकों का तबादला पुलिस अधीक्षक सिद्धार्थ तिवारी के द्वारा किया गया है।

निगम में भूषण उरांव व रुचि को अतिरिक्त दायित्व सौंपे आयुक्त ने

कोरबा। नगर पालिक निगम के आयुक्त आशुतोष पांडेय ने एक आदेश जारी कर कार्यालयीन आदेश में संशोधन किया है। इसके तहत प्रशासनिक व्यवस्थांतर्गत पूर्व कार्यालयीन आदेश में संशोधन करते हुए भूषण राम उरॉव, अधीक्षण अभियंता, नगर पालिक निगम कोरबा को पूर्व में सौपे गये दायित्वों के साथ–साथ निर्माण, योजना, डी.एम.एफ सी.एस.आर., 15वें व 16वें वित्त योजना, अमृत मिशन के प्रभारी अधिकारी तथा सूचना के अधिकार 2005 के तहत प्रथम अपीलीय अधिकारी का दायित्व सौंपा गया है। इसी तरह प्रशासनिक व्यवस्थांतर्गत सुश्री रूची साहू, प्रभारी कार्यपालन अभियंता नगर पालिक निगम को पूर्व में सौपे गये दायित्वों के साथ–साथ प्रधानमंत्री आवास योजना के प्रभारी अधिकारी का दायित्व सौपा गया है। आयुक्त के आदेशानुसार यह आदेश तत्काल प्रभावशील होगा।

निबंध प्रतियोगिता के माध्यम से गूंजा सड़क सुरक्षा का संदेश, विजेता छात्र-छात्राओं का सम्मान

कोरबा। जिला स्तरीय सड़क सुरक्षा समिति की बैठक में कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित कार्यक्रम के दौरान सड़क सुरक्षा जागरूकता अभियान–2026 के अंतर्गत आयोजित निबंध प्रतियोगिता के विकासखंडवार विजेता विद्यार्थियों को कलेक्टर श्री कुणाल दुदावत एवं पुलिस अधीक्षक श्री सिद्धार्थ तिवारी ने प्रशस्ति पत्र एवं पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया। कोरबा विकासखंड से सेजेस पम्पहाउस के आयुष केशरवानी (कक्षा 11वीं) ने प्रथम, शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय पीडब्ल्यूडी रामपुर के राजकुमार मरावी (कक्षा 12वीं) ने द्वितीय तथा शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय कोरकोमा की तानी राठौर (कक्षा 11वीं) ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। पाली विकासखंड से शासकीय हाई स्कूल हरनमुड़ी की माही कश्यप (कक्षा 9वीं) प्रथम, सेजेस पाली की साक्षी पाली (कक्षा 9वीं) द्वितीय तथा शासकीय हाई स्कूल कोरबी की मनीषा पटेल (कक्षा 12वीं) तृतीय रहीं। कटघोरा विकासखंड से शासकीय हाई स्कूल विजयनगर की अनुष्का अनंत प्रथम, सेजेस हिन्दी माध्यम ढेलवाडीह की पवित्रवती कोल द्वितीय तथा सेजेस गोपालपुर की उमा देवांगन तृतीय रहीं।

मेरा रेशम, मेरा अभिमान अभियान के तहत रेशमकीट पालकों को वैज्ञानिक तकनीकों की दी गई जानकारी

कोरबा। केंद्रीय रेशम बोर्ड के तत्वावधान में संचालित मेरा रेशम, मेरा अभिमान अभियान के अंतर्गत सोमवार को कोसा बीज केंद्र, तुमान (जिला कोरबा) में रेशमकीट पालकों के लिए जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में जिले के 50 से अधिक रेशमकीट पालकों ने भाग लेकर तसर रेशमकीट पालन की आधुनिक एवं वैज्ञानिक तकनीकों की जानकारी प्राप्त की। कार्यक्रम में सहायक संचालक, रेशम, जिला कोरबा श्री बलभद्र सिंह भण्डारी एवं कोसा बीज केंद्र, तुमान के प्रभारी श्री गुलशन कुमार विशेष रूप से उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान वैज्ञानिक डॉ. विनोद सिंह ने किसानों को तसर रेशमकीट पालन की उन्नत तकनीकों, रोग एवं कीट प्रबंधन, गुणवत्तापूर्ण उत्पादन तथा वैज्ञानिक पद्धति से पालन के विभिन्न पहलुओं की विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने किसानों से वैज्ञानिक सलाह का पालन करते हुए आधुनिक तकनीकों को अपनाने का आग्रह किया।

खनिज विभाग कोरबा की लगातार ताबड़तोड़ कार्रवाई में 12 वाहन जब्त

कोरबा। कलेक्टर कुणाल दुदावत के निर्देश तथा उप संचालक, खनि प्रशासन के मार्गदर्शन में जिले में अवैध उत्खनन परिवहन व भण्डारण पर प्रतिबंध लगाने के लिए लगातार विशेष अभियान चलाया जा रहा है। अभियान के तहत गठित खनिज उड़नदस्ता दलों द्वारा जिले के कई स्थानों पर छापा मारकर सघन जांच की गई। जिस दौरान राताखार में रेत का अवैध परिवहन कर रहे 3 ट्रेक्टर, कसरेंगा में रेत का अवैध परिवहन कर रहे 2 ट्रेक्टर, बरमपुर में रेत का अवैध परिवहन कर रहे 1 ट्रेक्टर, सुराकछार में रेत का अवैध परिवहन कर रहे 1 ट्रेक्टर, पाली में रेत का अवैध परिवहन कर रहे 1 ट्रेक्टर, कापूबहरा में मिट्टी का अवैध परिवहन कर रहे 1 टीपर तथा भिलाई बाजार में रेत का अवैध परिवहन कर रहे 2 ट्रेक्टर व 1 टीपर सहित कुल 12 वाहनों पर कार्यवाही करते हुए जब्त कर सिविल लाइन थाना, रामपुर, सर्वमंगला पुलिस चौकी, पाली थाना, हरदीबाजार थाना व खनिज जांच चौकी, कटघोरा की अभिरक्षा में सुरक्षार्थ रखा गया है।

खनिज विभाग ने स्पष्ट किया है कि इस अभियान का मुख्य उद्देश्य जिले में अवैध उत्खनन, परिवहन तथा भण्डारण पर प्रतिबंध सुनिश्चित करना, अवैध खनन पर प्रभावी नियंत्रण स्थापित करना, प्राकृतिक संसाधनों की सुरक्षा सुनिश्चित करना तथा शासकीय राजस्व की हानि को रोकना है। नियमों का उल्लघंन करने, अवैध उत्खनन एवं परिवहन तथा भण्डारण में संलिप्त व्यक्तियों के विरुद्ध खान और खनिज (विकास और विनियमन) अधिनियम, छत्तीसगढ़ गौण खनिज नियम और अन्य वैधानिक प्रावधानों के तहत कार्यवाही की जा रही है। विभाग ने चेतावनी दी है कि अवैध खनन, परिवहन और भण्डारण के विरुद्ध सघन अभियान लगातार जारी रहेगा तथा नियमों का उल्लंघन करने वालों पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना से रोशन हो रहा हर घर, बढ़ रही बचत और ऊर्जा आत्मनिर्भरता

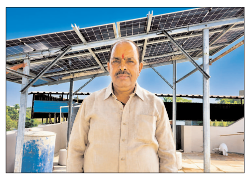

कोरबा। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत सरकार की महत्वाकांक्षी प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना देश को ऊर्जा आत्मनिर्भर, पर्यावरण–अनुकूल और विकसित भारत के लक्ष्य की ओर अग्रसर करने वाली एक महत्वपूर्ण पहल है। यह योजना आम नागरिकों को स्वच्छ एवं सस्ती ऊर्जा उपलब्ध कराने के साथ–साथ बिजली व्यय में कमी और घरेलू बचत बढ़ाने का प्रभावी माध्यम बन रही है। योजना के अंतर्गत घरों की छतों पर सोलर रूफ्टॉप संयंत्र स्थापित कर परिवारों को स्वच्छ ऊर्जा का लाभ प्रदान किया जा रहा है।

छत्तीसगढ़ में मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के मार्गदर्शन में इस महत्वाकांक्षी योजना का प्रभावी क्रियान्वयन किया जा रहा है। राज्य सरकार की सक्रिय पहल से कोरबा सहित प्रदेश के विभिन्न जिलों में अधिकाधिक परिवार इस योजना से जुड़कर बिजली बिल में बचत, ऊर्जा आत्मनिर्भरता तथा हरित भविष्य की दिशा में उल्लेखनीय कदम बढ़ा रहे हैं। इसी क्रम में कोरबा शहर के पोड़ीबहार निवासी श्री सुरेश सिंह भी योजना का लाभ लेकर स्वच्छ ऊर्जा को अपनाते हुए बिजली बचत और पर्यावरण संरक्षण की दिशा में सार्थक पहल कर रहे हैं। योजना की जानकारी मिलने के बाद उन्होंने अपने घर की छत पर 3 किलोवाट क्षमता का सोलर रूफ्टॉप संयंत्र स्थापित कराया। संयंत्र से मिलने वाले लाभ, बिजली बिल में उल्लेखनीय कमी तथा सकारात्मक अनुभव को देखते हुए उन्होंने बाद में एक और 3 किलोवाट क्षमता का सोलर रूफ्टॉप संयंत्र लगवाया। वर्तमान में उनके घर में कुल 6 किलोवाट क्षमता का सोलर संयंत्र स्थापित है, जिससे उनका घर स्वच्छ एवं सौर ऊर्जा से संचालित हो रहा है।

श्री सिंह ने बताया कि सोलर संयंत्र स्थापित होने के बाद उनके बिजली बिल में उल्लेखनीय कमी आई है और अब उनका बिजली बिल माइनस (क्रेडिट) में आने लगा है। उन्होंने कहा कि पिछले छह महीनों से उन्हें बिजली बिल से संबंधित किसी भी प्रकार की परेशानी का सामना नहीं करना पड़ा है। पहले जहां हर महीने बिजली बिल की चिंता बनी रहती थी, वहीं अब वे न केवल बिजली खर्च में बचत कर रहे हैं, बल्कि अतिरिक्त उत्पादित बिजली का भी लाभ प्राप्त कर रहे हैं। इससे उनके परिवार की मासिक बचत में वृद्धि हुई है और आर्थिक रूप से भी उन्हें काफी राहत मिली है। उन्होंने बताया कि केंद्र एवं राज्य सरकार द्वारा प्रदान की गई सब्सिडी के कारण सोलर संयंत्र की स्थापना सरल और किफायती हो सकी। योजना ने उन्हें स्वच्छ ऊर्जा अपनाने के लिए प्रेरित किया और आज वे स्वयं को पर्यावरण संरक्षण के प्रयासों का सहभागी मानते हैं। उनका कहना है कि सौर ऊर्जा का उपयोग केवल बिजली बिल कम करने का माध्यम नहीं है।

बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए स्वच्छ और सुरक्षित पर्यावरण सुनिश्चित करने की दिशा में भी एक महत्वपूर्ण कदम है।

श्री सुरेश सिंह ने प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी एवं मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना आम नागरिकों के लिए अत्यंत लाभकारी सिद्ध हो रही है। उन्होंने कहा कि इस योजना से आर्थिक बचत के साथ–साथ स्वच्छ ऊर्जा को बढ़ावा मिल रहा है और लोगों को ऊर्जा आत्मनिर्भर बनने का अवसर प्राप्त हो रहा है। उन्होंने अधिक से अधिक लोगों से इस योजना का लाभ उठाने की अपील करते हुए केंद्र एवं राज्य सरकार का धन्यवाद ज्ञापित किया।

यातायात नियमों का उल्लंघन करने वालों पर करें कड़ी कार्रवाई : एसपी सिद्धार्थ तिवारी

कोरबा। सड़क सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए जिले में सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम एवं सुरक्षित यातायात व्यवस्था सुनिश्चित करने के उद्देश्य से जिला स्तरीय सड़क सुरक्षा समिति की बैठक आयोजित की गई। कलेक्टर श्री कुणाल दुदावत एवं पुलिस अधीक्षक श्री सिद्धार्थ तिवारी की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में सड़क सुरक्षा से जुड़े विभिन्न पहलुओं पर व्यापक समीक्षा की गई। बैठक में सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने के लिए विभिन्न विभागों द्वारा किए जा रहे कार्यों की प्रगति का आकलन किया गया। यातायात नियमों के प्रभावी पालन, विभागीय समन्वय को और सुदृढ़ बनाने, दुर्घटना संभावित स्थलों पर आवश्यक सुधारात्मक कार्यों में तेजी लाने तथा जनजागरूकता गतिविधियों को बढ़ावा देने के संबंध में विस्तार से चर्चा की गई। इस दौरान संबंधित विभागों को समयबद्ध एवं प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक दिशा–निर्देश भी दिए गए। इस अवसर पर सीईओ जिला पंचायत श्री प्रतीक जैन, नगर निगम आयुक्त श्री आशुतोष पाण्डेय, अपर कलेक्टर द्वय श्री देबेन्द्र पटेल, श्री ओंकार यादव, जिला परिवहन अधिकारी श्री अतुल कुमार असैय्या सहित लोक निर्माण विभाग, राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण, एसईसीएल, बालको एवं विभिन्न औद्योगिक प्रतिष्ठानों के अधिकारी उपस्थित रहे। कलेक्टर श्री कुणाल दुदावत ने बैठक में पूर्व में दिए गए निर्देशों एवं लिए गए निर्णयों के क्रियान्वयन की विस्तार से समीक्षा करते हुए कहा कि सड़क दुर्घटनाओं में प्रभावी कमी लाने के लिए सभी संबंधित विभागों के बीच बेहतर समन्वय, नियमित मॉनिटरिंग तथा समयबद्ध कार्रवाई सुनिश्चित करना आवश्यक है। कलेक्टर श्री दुदावत ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि निर्धारित कार्ययोजना एवं लक्ष्यों के अनुरूप सभी कार्यों को सर्वोच्च प्राथमिकता के साथ पूर्ण किया जाए। साथ ही दुर्घटना संभावित स्थलों पर आवश्यक सुरक्षा उपायों को शीघ्र लागू कर यातायात व्यवस्था को और अधिक सुरक्षित बनाया जाए।

फिल्म देखने की बात पर हुआ था विवाद: तकिया से दम घोंटकर सचिव पत्नी की ली थी जान

कार्रवाई से बचने कमरे में आग लगाकर आत्महत्या का दिया था शक्ल, साजिश बेनकाब, हत्यारे पति को आजीवन कारावास

कोरबा। फिल्म देखने के लिए जाने की बात को लेकर तत्कालीन सचिव पत्नी की हत्या उसके तत्कालीन सचिव पति के द्वारा कर दी गई। तकिया से दम घोंटकर हत्या करने के बाद साक्ष्य छिपाने के लिए इसे घटना का रूप देने कमरे में आग लगा दी गई। विचाराधीन इस प्रकरण में एक साल बाद फैसला आया है। तृतीय अपर सत्र न्यायाधीश सुनील कुमार नन्दे ने दोषसिद्ध पाते हुए आरोपी पति अभिनेक लदेर को आजीवन कारावास की सजा से दण्डित किया है। मामले में शासन की तरफसे अतिरिक्त शासकीय अभिभाषक एवं लोक अभियोजक कृष्ण कुमार द्विवेदी ने मजबूत पैरवी कर दोषी को सजा दिलाने में अहम भूमिका निभाई।

न्यायालय सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक अभिनेक कुमार के द्वारा 22 जुलाई 2025 को पत्नी सुषमा खुसरो के अकाल एवं आकस्मिक मृत्यु के संबंध में थाना सिविल लाईन रामपुर के एएसआई विमलेश उरांव को यह सूचना दी गयी थी। अभिनेक ने पुलिस को बताया था कि उसकी जान–पहचान सन 2023 में सुषमा खुसरो से हुई थी। सुषमा खुसरो एवं उसका प्रेम संबंध होने से दोनों अपनी मर्जी से दिनांक 05.05.2024 को आर्य समाज, बिलासपुर में जाकर शादी कर लिये। शादी के बाद दोनों हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी, गोकुल नगर, कोरबा में किराये का मकान लेकर पति–पत्नी के रुप में एक साथ रहकर दांपत्य जीवन व्यतीत कर रहे थे। घटना दिनांक 22 जुलाई 2025 को सुबह लगभग 9–10 बजे सुषमा खुसरो उसे निहारिका टॉकिज पिक्चर देखने जाने के लिये बोली, उसी बात को लेकर दोनों पति–पत्नी के बीच वाद–विवाद हुआ। अभिनेक सुबह लगभग 11 बजे काम से केनरा बैंक ट्रांसपोर्ट नगर चला गया। बैंक से काम करने के बाद 3 बजे वापस अपने घर आया तो देखा कि घर का दरवाजा अंदर से बंद था। वह अपनी पत्नी सुषमा खुसरो को आवाज दिया तो अंदर से कोई प्रतिक्रिया नहीं होने पर अनहोनी की आशंका पर खिड़की से झांक कर देखा तो अंदर से धुंआ निकल रहा था। उसके बाद वह बगल से सीढ़ी लगाकर बालकनी से घर के अंदर जाकर देखा तो उसकी पत्नी आग से पूरी तरह जल चुकी थी, मौत हो चुकी थी, धुंआ निकल रहा था। मामले में पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच पड़ताल शुरू की लेकिन अभिनेक के द्वारा बार–बार बयान बदलने पर पुलिस को संदेह हुआ। तकनीकी आधार पर उसके विरुद्ध संदेह की पुष्टि हुई और हिरासत में लेकर पूछताछ करने पर घटना को अंजाम देना कबूल कर लिया। 24 जुलाई को एफआईआर के बाद 26 जुलाई को गिरफ्तारी करते हुए जेल दाखिल कराया गया। विवेचना के बाद पुलिस द्वारा प्रकरण विचारण हेतु न्यायालय में पेश किया गया। अभियुक्त के विरुद्ध भारतीय न्याय संहिता की धारा 103(1), 238 का आरोप था कि उसने 22 जुलाई 2025 के दोपहर लगभग 1 बजे से 3 बजे के मध्य सुषमा खुसरो की मृत्यु कारित करने के आशय से उसके मुंह–नाक को तकिये से दबाकर यह ज्ञान एवं विश्वास रखते हुये कि तकिये से मुंह–नाक को दबाने से उसकी मृत्यु होना सम्भावित है। उसकी मृत्यु कारित कर हत्या किया। फिर साक्ष्य छिपाने के उद्देश्य से उसके शव को पेपर और कपड़ा इत्यादि इकट्ठा कर जला दिया।

दोषी सिद्ध अभिनेक कुमार लदेर को धारा 103 (1) भारतीय न्याय संहिता के अधीन दण्डनीय अपराध के आरोप में आजीवन कारावास एवं 100 रुपये के अर्थदण्ड से दण्डित किया गया है। अर्थदण्ड जमा न करने की दशा में 01 माह के अतिरिक्त कारावास की सजा पृथक से भुगतायी जायेगी।

प्रियदर्शनी कला मंदिर एस ई सी एल बिलासपुर में कोयला मजदूर सभा (एच.एम.एस.) केंद्रीय कार्यकारिणी की विशाल सभा संपन्न

कोरबा। कोयला मजदूर सभा (एचएमएस) की केंद्रीय कार्यकारिणी की विशाल सभा का आयोजन प्रियदर्शनी कला मंदिर में उत्साहपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ। सभा में संगठन के केंद्रीय अध्यक्ष श्री बजरंगी शाही, केंद्रीय महामंत्री हमारे मार्गदर्शक पर नाथूलाल पाण्डेय सहित केंद्रीय कार्यवाहक अध्यक्ष सह संभागीय प्रभारी केदारनाथ अग्रवाल ,केंद्रीय पदाधिकारी, विशेष आमंत्रित सदस्य,क्षेत्रीय अध्यक्ष ध्महामंत्री, एरिया यूनिटध्परियोजना के अध्यक्ष ध्सचिव, विभिन्न क्षेत्रों से आए प्रतिनिधियों, पदाधिकारियों,मीडिया कर्मी एवं मातृशक्ति ने भाग लेकर संगठन की एकजुटता और मजबूती का परिचय दिया। ज्ञात हो कि यह मात्र औपचारिक कार्यक्रम या बैठक नहीं था बल्कि जनवरी 2026 में गठित नवीन कार्यकारणी की प्रथम एवं कुछ आवश्यक प्रस्ताव, सख्त निर्णय एवं आगे की रणनीति पर परिषद से आवश्यक चर्चा सम्बधी प्रस्तावित बैठक थी आदरणीय अध्यक्ष श्री बजरंगी शाही जी ने कुछ महत्वपूर्ण प्रस्तावो को सभा के समक्ष रखा एवं सबकी राय सुनना चाहे केंद्रीय कार्यवाहक अध्यक्ष सह कोरबा संभागीय प्रभारी माननीय श्री केदारनाथ अग्रवाल ने तल्ख शब्दो मे कहा जो हमारे नहीं है उन्हें रखने से कोई मतलब नहीं, थोड़ा नुकसान हम बर्दाश्त कर भी लेंगे पर जो हमारा नहीं वो हमारे लिए हमारे संगठन के लिए कभी भी पॉजिटिव नहीं रहेगा बाकी उन्होंने कुछ महत्वपूर्ण बिन्दुओं एवं तथ्यों पर अपनी राय अपनी माँगे रखी।

कोयला मजदूर सभा के केंद्रीय कार्यकारणी मे विशेष आमंत्रित सदस्य के रूप में आदरणीय नौशाद खान जी उपस्थित थे जिन्होंने कहा कि कोयला मजदूर सभा सदैव श्रमिकों के हितों की रक्षा के लिए संघर्षरत रही है और भविष्य में भी मजदूरों के अधिकारों की रक्षा के लिए पूरी मजबूती के साथ कार्य करती रहेगी। केंद्रीय पदाधिकारियों ने संगठन को और अधिक सशक्त एवं सक्रिय बनाने का आह्वान करते हुए सभी कार्यकर्ताओं से एकजुट होकर श्रमिक हितों की लड़ाई लड़ने का संकल्प लेने की अपील की। उन्होंने कहा कि संगठन की शक्ति उसकी एकता, अनुशासन और कार्यकर्ताओं की सक्रिय भागीदारी में निहित है सभा में विभिन्न क्षेत्रों से आए प्रतिनिधियों ने अपने–अपने क्षेत्र की समस्याओं और सुझावों को केंद्रीय नेतृत्व के समक्ष रखा, जिन पर गंभीरता से विचार करते हुए उनके शीघ्र समाधान का आश्वासन दिया गया।

कार्यक्रम के अंत में संगठन की मजबूती, श्रमिक एकता और मजदूर हितों की रक्षा के लिए सभी उपस्थित प्रतिनिधियों एवं कार्यकर्ताओं ने सामूहिक रूप से संकल्प लिया। विशाल सभा का समापन संगठन के प्रति समर्पण, एकजुटता और संघर्ष के संकल्प के साथ हुआ।

अभियान चलाकर सभी शिक्षण संस्थानों को तंबाकू मुक्त परिसर बनाने के दिए निर्देश

नशा मुक्ति अभियान के प्रभावी क्रियान्वयन हेतु कलेक्टर ने ली जिला स्तरीय एनकॉर्ड समिति की बैठक

कोरबा। जिले में नशे के दुष्प्रभावों से समाज को सुरक्षित रखने, नशीले पदार्थों के अवैध कारोबार पर प्रभावी नियंत्रण स्थापित करने एवं जनजागरूकता के माध्यम से नशामुक्त वातावरण निर्माण के उद्देश्य से कलेक्टर श्री कुणाल दुदावत ने जिला स्तरीय एनकॉर्ड समिति की बैठक ली। बैठक में उन्होंने नशे के विरुद्ध संचालित अभियान की प्रगति की समीक्षा करते हुए संबंधित विभागों के मध्य बेहतर समन्वय, प्रभावी कार्रवाई, जागरूकता गतिविधियों के विस्तार एवं अभियान के सफल क्रियान्वयन के लिए आवश्यक दिशा–निर्देश दिए।

बैठक में पुलिस अधीक्षक श्री सिद्धार्थ तिवारी, सीईओ जिला पंचायत श्री प्रतीक जैन, नगर निगम आयुक्त श्री आशुतोष पांडेय, अपर कलेक्टर श्री देवेंद्र पटेल सहित विभिन्न विभागों के जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे। कलेक्टर श्री दुदावत ने विभिन्न विभागों द्वारा नशामुक्ति अभियान के अंतर्गत किए जा रहे कार्यों की समीक्षा करते हुए नशे की रोकथाम, जनजागरूकता कार्यक्रमों एवं तंबाकू नियंत्रण गतिविधियों की जानकारी ली। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को अभियान के प्रभावी संचालन तथा निर्धारित दायित्वों का गंभीरतापूर्वक निर्वहन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। साथ ही नशामुक्त अभियान के क्रियान्वयन में अपेक्षित प्रगति नहीं होने पर उप संचालक समाज कल्याण एवं जिला शिक्षा अधिकारी को कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने जिले के सभी शासकीय एवं निजी शिक्षण संस्थानों को तंबाकू मुक्त बनाने हेतु विशेष अभियान चलाकर कोटप्पा एक्ट का पालन सुनिश्चित कराने के निर्देश विभागीय अधिकारियों को दिए।

उन्होंने कहा कि जिले के शहरी व ग्रामीण क्षेत्रों के सभी शिक्षण संस्थानों में तंबाकू निषेध संबंधी गतिविधियां संचालित की जाएं तथा विद्यालयों एवं महाविद्यालयों के 100 गज के दायरे में तंबाकू उत्पादों की बिक्री करने वाले दुकानदारों के विरुद्ध नियमानुसार सख्त कार्रवाई सुनिश्चित की जाए।

ताहिर राज भसीन ने पूरी की अपनी आगामी अनाम फिल्म की शूटिंग

अभिनेता ताहिर राज भसीन ने अपनी आगामी फिल्म की शूटिंग पूरी कर ली है। यह विक्रम फडनिस के निर्देशन में बना प्रोजेक्ट है। हालांकि, अभी तक इस फिल्म का नाम सामने नहीं आया है। अभिनेता ने अपनी शूटिंग पूरी करने के बाद सोशल मीडिया पर कई तस्वीरें साझा की हैं। साथ ही एक लंबा नोट भी लिखा है।

दिखाई शूटिंग की झलक

ताहिर राज भसीन ने शूटिंग पूरी करने के बाद इंस्टाग्राम पर शूटिंग से जुड़ी कई तस्वीरें साझा की हैं। इन तस्वीरों में ताहिर अपने किरदार में और कुछ अहम सीन की शूटिंग करते नजर आ रहे हैं। अभिनेता ने अपनी टीम के साथ बिताए मजेदार पलों की भी झलक प्रशंसकों के साथ साझा की। उन्होंने शूटिंग के बीच आराम करते और एक-दूसरे के साथ समय बिताते हुए कलाकारों और क्रू की तस्वीरें पोस्ट कीं। तस्वीरों में फिल्म की बाकी कास्ट सयामी खेर और विनीत कुमार सिंह भी नजर आ रहे हैं।

सभी का जताया आभार

तस्वीरें साझा करते हुए ताहिर ने प्रोजेक्ट के पूरा होने पर एक भावुक संदेश भी लिखा। उन्होंने कैप्शन में लिखा, 'शूटिंग पूरी हो गई। यह एक शानदार सफर रहा। विक्रम फडनिस आपका धन्यवाद जिन्होंने एक दिल को छू लेने वाला किरदार लिखा और निर्देशित किया, जिसे निभाना मेरे लिए बेहद सुखद अनुभव रहा। आपकी इस मेहनत से बनी फिल्म को दुनिया के साथ साझा करने का बेसब्री से इंतजार है। ओजाजय, लेंस के जादूगर हैं। हर दिन अपनी उत्कृष्टता लाने और कलात्मकता के स्तर को ऊंचा उठाने के लिए धन्यवाद। हद से अधिकऊर्जावान क्रू, असिस्टेंट्स और शानदार सह-कलाकारों का इस मस्ती और शानदार सफर के लिए धन्यवाद।'

अभी सामने नहीं आया फिल्म का नाम

हालांकि, अभी तक फिल्म का नाम सामने नहीं आया है। न ही फिल्म की कहानी के बारे में कोई अधिक जानकारी सामने आई है। तस्वीरों में दिखी झलक से पता चलता है कि इस फिल्म में ताहिर राज भसीन के साथ सैयामी खेर और विनीत कुमार सिंह भी अहम भूमिकाओं में हैं। यह विक्रम फडनिस की हिंदी फिल्म निर्देशक के रूप में पहली फिल्म है।

तापसी पन्नू ने विद्या बालन को बताया अपना 'हीरो'

हिंदी सिनेमा में हर कलाकार को किसी न किसी से प्रेरणा मिलती है, जिसकी मेहनत और काम देखकर वह आगे बढ़ने की हिम्मत पाता है। बॉलीवुड अभिनेत्री तापसी पन्नू के लिए ऐसी ही प्रेरणा विद्या बालन हैं। तापसी ने बताया कि विद्या बालन की फिल्मों ने उनके सोचने का तरीका बदल दिया। उन्होंने कहा कि जब वह हिंदी फिल्मों में अपना करियर शुरू कर रही थीं, तब विद्या बालन की कुछ फिल्मों ने उन्हें यह भरोसा दिया कि महिला कलाकार भी मजबूत कहानियों के साथ लंबे समय तक इंडस्ट्री में टिक सकती हैं। तापसी ने कहा, ''विद्या बालन ने सिर्फ फिल्मों में अभिनय नहीं किया, बल्कि उन्होंने यह भी दिखाया कि एक अभिनेत्री अपने दम पर कहानी को आगे बढ़ा सकती है। मेरे लिए विद्या बालन एक हीरो हैं। उनकी फिल्मों ने मुझे प्रेरित किया। जब मैंने 'द डर्टी पिक्चर' और 'कहानी' जैसी फिल्में देखीं, तो महसूस हुआ कि सिनेमा में महिलाओं के लिए भी मजबूत और अलग तरह की कहानियां बन सकती हैं। अगर ये फिल्में उस समय नहीं आई होतीं, तो शायद मेरे जैसे कई कलाकारों को यह विश्वास ही नहीं होता कि वे भी लंबे समय तक इंडस्ट्री में काम कर सकते हैं।''

उन्होंने कहा, ''उस समय मैं हिंदी सिनेमा में अपने करियर की शुरुआत कर रही थी और अक्सर यह सवाल मन में आता था कि एक अभिनेत्री का करियर कितने समय तक चल सकता है पर विद्या बालन की फिल्मों को सफल होते देख मेरा नजरिया पूरी तरह बदल गया। उनकी फिल्मों ने बताया कि कंटेंट-ड्रिवन सिनेमा में अभिनेत्री भी मुख्य भूमिका निभा सकती हैं और फिल्म की सफलता का केंद्र बन सकती हैं।''

दरअसल, विद्या बालन को हिंदी सिनेमा में महिला प्रधान फिल्मों के लिए जाना जाता है। पिछले दो दशकों में उन्होंने कई ऐसी फिल्मों में काम किया है, जिनमें कहानी का पूरा भार उनके किरदार पर टिका होता है। 'नो वन किल्ड जेसिका', 'तुम्हारी सुलु' और 'शेरनी' जैसी फिल्मों में उन्होंने अलग-अलग तरह के किरदार निभाए और अभिनय के जरिए दर्शकों का दिल जीत लिया। उनकी फिल्मों ने साबित किया कि बॉलीवुड में सिर्फ बड़े हीरो ही नहीं, बल्कि अच्छी कहानी और दमदार अभिनय भी फिल्म को सफल बना सकते हैं।

दिलचस्प बात यह है कि तापसी पन्नू और विद्या बालन एक साथ काम कर चुकी हैं। दोनों कलाकारों ने साल 2019 की चर्चित फिल्म 'मिशन मंगल' में एक साथ अभिनय किया था। इस फिल्म की कहानी भारत के ऐतिहासिक मार्स ऑर्बिटर मिशन से प्रेरित थी और इसमें वैज्ञानिकों की उस टीम को दिखाया गया था, जिसने इस मिशन को सफल बनाया। फिल्म में तापसी और विद्या दोनों ने वैज्ञानिकों का किरदार निभाया था।

कियारा आडवाणी नहीं होगी 'मधुबाला' की बायोपिक का हिस्सा

भारतीय सिनेमा की सबसे लोकप्रिय और खूबसूरत अभिनेत्रियों में से एक मधुबाला की बायोपिक काफी वक्त से चर्चा का विषय बनी हुई है। बीच में ऐसी चर्चाएं थीं कि कियारा आडवाणी इस बायोपिक में मधुबाला की भूमिका निभाएंगी। जबकि संजय लीला भंसाली इस फिल्म का निर्माण करेंगे। लेकिन अब ऐसी खबरें आ रही हैं कि कियारा इस फिल्म का हिस्सा नहीं होंगी। इंडस्ट्री से जुड़े एक अदरूनी सूत्र ने इस खबर को खारिज किया है। सूत्र ने बताया कि संजय लीला भंसाली द्वारा निर्मित मधुबाला की बायोपिक में कियारा आडवाणी के अभिनय की खबरों में कतई सच्चाई नहीं है। ये दावे पूरी तरह निराधार और अटकलबाजी पर आधारित हैं। हालांकि, फिल्म के बारे में अधिक जानकारी अभी सामने नहीं आई है। लेकिन यह बताया जा रहा है कि इस फिल्म का निर्देशन जसमीत के. रीन करेंगी। जसमीत ने आलिया भट्ट, शेफाली शाह और विजय वर्मा स्टारर ब्लैक कॉमेडी-ड्रामा 'डार्लिंग्स' का भी निर्देशन किया था।

फिल्मों में बढ़ते खून-खराबे के ट्रेंड पर नाराज हुई करीना कपूर खान

करीना कपूर ने बॉलीवुड फिल्मों में बदलते ट्रेंड को लेकर अपनी राय रखी है और आजकल की फिल्मों के कॉन्सेप्ट पर नाराजगी जाहिर की है। उन्होंने बताया कि कैसे आज की फिल्में पुरानी के मुकाबले काफी अलग हैं।

खून-खराबे के ट्रेंड पर जाहिर की चिंता

करीना कपूर खान ने हाल ही में फिल्मों में बढ़ती हिंसा और खून-खराबे के ट्रेंड पर अपनी चिंता जाहिर की है। उनका कहना है कि आजकल की कई फिल्मों में पहले जैसी मस्ती, रंग, गाने और रोमांस की कमी महसूस होती है। हाल ही में द हॉलीवुड रिपोर्टर इंडिया को दिए एक इंटरव्यू में करीना ने कहा कि मौजूदा समय में कई फिल्में ज्यादा 'क्राइम और खून' पर ज्यादा फोकस करती हैं। उनके मुताबिक, इस तरह की फिल्मों में पहले जैसा मनोरंजन, एनर्जी, रंग और रोमांस देखने को कम मिलता है, जो कभी बॉलीवुड की पहचान हुआ करता था। करीना ने यह भी माना कि सिनेमा में बढ़ती 'हाइपर-मस्कुलिनिटी' यानी अत्यधिक मर्दानगी दिखाने का चलन उन्हें थोड़ा डराता है। उनका मानना है कि फिल्में सिर्फ एक्शन और हिंसा तक सीमित नहीं होनी चाहिए, बल्कि उनमें प्यार, म्यूजिक और भावनाएं भी उतनी ही जरूरी हैं।

वर्क फ्रंट की बात करें तो करीना कपूर खान जल्द ही निर्देशक मेघना गुलजार की फिल्म 'दायरा' में नजर आएंगी। इस फिल्म में उनके साथ पृथ्वीराज सुकुमारन भी मुख्य भूमिका में दिखाई देंगे।

एल्विश ने जिया शंकर को रोमांटिक अंदाज में किया प्रपोज?

एल्विश यादव और जिया शंकर की सगाई और शादी की खबरें पिछले काफी वक्त से चर्चा में बनी हुई है। लेकिन अब एक वीडियो वायरल हो रहा है, जिसमें ये दावा किया जा रहा है कि एल्विश ने जिया को प्रपोज किया है। एल्विश के प्रपोजल को जिया ने एक्सेप्ट भी कर लिया है। लेकिन क्या यह सच है? क्योंकि जिया ने पहले बताया था कि उनका एक बॉयफ्रेंड है।

एंगेज्ड सीजन 2 के नए एपिसोड का है वीडियो

दरअसल, रियलिटी शो एंगेज्ड सीजन 2 के हालिया एपिसोड में एल्विश ने एक घुटने पर बैठकर, हाथ में लाल गुलाब लेकर जिया को प्रपोज किया। एल्विश ने जिया से पूछा, 'क्या तुम मुझसे शादी करोगी?' इस पर जिया ने जवाब दिया, 'मैं तुमसे प्यार करती हूं और तुमसे शादी करूंगी।' दोनों का ये वीडियो अब सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। इसके बाद कई फैंस दोनों को बधाई भी दे रहे हैं। वहीं कुछ लोगों का मानना है कि यह प्रस्ताव शो के लिए रचा गया था। कहानी में आगे क्या होता है, यह जानने के लिए दर्शकों को आगामी एपिसोड का इंतजार करना होगा।

जिया ने अपने बॉयफ्रेंड के बारे में की थी बात

इससे पहले फ्री प्रेस जर्नल के साथ बातचीत में जिया शंकर ने अपने बॉयफ्रेंड के बारे में बात की थी। हालांकि, उन्होंने उसका नाम नहीं बताया था। एल्विश के साथ अपनी सगाई की प्रमोशनल पोस्ट से मचे बवाल पर टिप्पणी करते हुए जिया ने कहा था कि उनके परिवार और उनके बॉयफ्रेंड के परिवार दोनों को इस दृश्य की जानकारी थी। इसलिए किसी को आश्चर्य नहीं हुआ।

लॉफ्टर शेफ 3 में नजर आ रहे एल्विश

एल्विश यादव इन दिनों रियलिटी शो 'लॉफ्टर शेफ' के तीसरे सीजन में नजर आ रहे हैं। इस बार उनकी जोड़ी फिर से करण कुंद्रा के साथ बनी हुई है। दोनों को शो में काफी पसंद किया जा रहा है।

तलाक और तृषा के साथ अफेयर की चर्चाओं पर विजय ने तोड़ी चुप्पी

एक्टर और राजनेता थलापति विजय इन दिनों लगातार सुर्खियों में बने हुए हैं। वजह है उनकी पर्सनल जिंदगी। विजय की पत्नी ने संगीता सोरनलिंगम ने 26 साल के वैवाहिक जीवन के बाद विजय से तलाक के लिए अर्जी डाली है। उन्होंने विजय के एक अभिनेत्री से अफेयर की बात कही है। इसके बाद विजय का नाम एक्ट्रेस तृषा कृष्णन के साथ जोड़ा जाने लगा। इस बीच हाल ही में विजय तृषा के साथ एक कार्यक्रम में भी शामिल हुए। वहीं विजय की फिल्म 'जन नायकन' को लेकर भी विवाद अभी तक थमा नहीं है। इस बीच अब विजय ने अपने आसपास की हाल ही की समस्याओं पर बात की है।

ये मुद्दे आपके परेशान होने के लिए नहीं हैं अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर चर्चाओं में बने थलापति विजय का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल है। यह वीडियो चेन्नई में उनकी पार्टी 'तमिलगा वेट्री कजगम' (टीवीके) के महिला दिवस कार्यक्रम का है। इस कार्यक्रम में लोगों को संबोधित करते हुए विजय ने अपनी हालिया समस्याओं को लेकर बात की। वीडियो में विजय अपने प्रशंसकों से अपील करते हुए दिख रहे हैं कि वे उनकी समस्याओं के कारण दुखी या तनावग्रस्त न हों। उन्होंने कहा, 'कृपया मेरे आसपास की हाल की समस्याओं के बारे में चिंता न करें। ये मुद्दे आपके समय के लायक नहीं हैं। मैं इन्हें खुद संभाल लूंगा। मुझे सबसे ज्यादा दुख तब होता है, जब आप मेरी समस्याओं के कारण दुखी या तनावग्रस्त होते हैं। कृपया मेरे लिए यह बोझ न उठाएं। इसके बजाय, लोगों के कल्याण पर ध्यान दें।'

पत्नी ने दायर की विजय से तलाक की याचिका

विजय की ये टिप्पणी ऐसे समय में आई हैं, जब उनका निजी जीवन ऑनलाइन और मीडिया में व्यापक चर्चा का विषय बना हुआ है। कुछ समय पहले ही उनकी पत्नी संगीता सोरनलिंगम ने 26 साल के वैवाहिक जीवन के बाद विजय से तलाक के लिए याचिका दायर की थी। विजय और संगीता का विवाह अगस्त 1999 में हुआ था और उनके दो बच्चे हैं - जेसन संजय और दिव्या शशा। पत्नी ने याचिका में आरोप लगाया गया है कि विजय का एक महिला अभिनेत्री के साथ एक्स्ट्रा मैरिटल अफेयर था। याचिका के अनुसार, संगीता को इस कथित संबंध के बारे में 2021 में पता चला। संगीता ने बाद में निवास सुरक्षा और आर्थिक सहायता के लिए एक और याचिका दायर की।

तृषा के साथ कार्यक्रम में पहुंचे विजय

पत्नी के आरोपों के बाद विजय का नाम तृषा कृष्णन के साथ जोड़ा जाने लगा। तृषा और विजय का नाम इससे पहले भी जोड़ा गया था। हालांकि, बाद में दोनों का रिश्ता खत्म हो गया, लेकिन तृषा ने अभी तक शादी नहीं की है। ऐसे में जब पत्नी ने ये आरोप लगाए, तो सोशल मीडिया पर एक बार फिर तृषा का नाम विजय के साथ जोड़ा जाने लगा। इन आरोपों के बीच विजय तृषा के साथ फिल्म निर्माता कलपथी सुरेश और मीनाक्षी के बेटे के विवाह समारोह में पहुंचे। विजय और तृषा एक ही कार में समारोह में पहुंचे और साथ ही वहां से जाते हुए भी देखे गए। इसके बाद संगीता ने एक नई याचिका भी दायर की है।

मनोरंजन जगत में श्रिया सरन के 25 साल पूरे, साझा किए अनुभव

मनोरंजन जगत में जानी-मानी अभिनेत्री श्रिया सरन ने अपने 25 साल पूरे कर लिए हैं। अभिनेत्री ने इतने लंबे करियर में इंडस्ट्री में आए कई बड़े बदलावों को महसूस किया है। श्रिया सरन ने इस मौके पर अपने सफर, तकनीकी बदलावों और आज के दौर की चुनौतियों पर खुलकर बात की। श्रिया ने बताया कि जब उन्होंने अपने करियर की शुरुआत की थी, तब फिल्म सेट्स का माहौल आज से बिल्कुल अलग था। उस समय इस्तेमाल होने वाली लाइट्स बेहद तेज होती थीं, जो आंखों को चुभती थीं और कई बार कलाकारों के लिए असहज स्थिति पैदा कर देती थीं। कैमरे भारी हुआ करते थे और तकनीक भी सीमित थी। शूटिंग के दौरान कलाकारों को लंबे समय तक इंतजार करना पड़ता था और कैमरे की आवाज सुनकर ही यह अंदाजा लगता था कि सीन शुरू हो चुका है। उस दौर में काम करना ज्यादा मेहनत और धैर्य की मांग करता था। उन्होंने कहा कि आज तकनीक ने फिल्म इंडस्ट्री को पूरी तरह बदल दिया है। अब सॉफ्ट लाइट्स का इस्तेमाल होता है, जिससे आंखों पर दबाव नहीं पड़ता।

कैमरे पहले से कहीं ज्यादा हल्के और एडवांस हो गए हैं, जिससे शूटिंग न सिर्फ आसान बल्कि तेज भी हो गई है। इन बदलावों का सबसे बड़ा फायदा यह हुआ है कि कलाकार अब तकनीकी परेशानियों से हटकर अपने अभिनय पर ज्यादा ध्यान दे पाते हैं और काम का माहौल भी पहले से ज्यादा आरामदायक हो गया है। श्रिया सरन ने इंडस्ट्री के वर्किंग सिस्टम में आए बदलावों पर भी बात की। उन्होंने कहा कि पहले कलाकारों को केवल एक मैनेजर के जरिए काम संभालना पड़ता था, लेकिन अब एजेंसियों का दौर है। आज कलाकारों को कई लोगों से तालमेल बैठाना पड़ता है। नई पीढ़ी के लोग नई सोच और नई जानकारी के साथ आते हैं, जो पुरानी पीढ़ी के लिए भी सीखने का मौका होती है। ऐसे में समय के साथ खुद को बदलना और नई चीजों को अपनाना बेहद जरूरी हो गया है। अपने 25 साल के करियर के उतार-चढ़ाव को याद करते हुए श्रिया ने कहा कि इतने लंबे सफर में भावनात्मक रूप से कई तरह के दौर आते हैं। कभी सब कुछ अच्छा लगता है, तो कभी इंसान खुद को अकेला और कमजोर महसूस करता है। ऐसे समय में अपने आसपास सही और सकारात्मक लोगों का होना बहुत जरूरी होता है, जो आपको संभालें और आगे बढ़ने की ताकत दें।

रानी ने कहा था, मेहनत करेंगे तो बहुत आगे जाएंगे: रणबीर कपूर

पूरा भारतीय फिल्म उद्योग एकजुटता के साथ अभिनेत्री रानी मुखर्जी के सिनेमा में 30 साल पूरे होने का जश्न मना रहा है। यह जश्न रानी की चर्चित और दमदार फेंचाइज़ी 'मर्दानी' की तीसरी फिल्म 'मर्दानी 3' के साथ मनाया जा रहा है, जो इन दिनों जबरदस्त चर्चा में है। इस जश्न में शामिल होकर रणबीर कपूर को भी बेहद खुशी और गर्व महसूस हो रहा है। रणबीर और रानी का रिश्ता सिर्फ सह-कलाकारों का नहीं, बल्कि सम्मान, प्रेरणा और भरोसे से भरा रहा है। रानी, रणबीर कपूर की डेब्यू फिल्म 'सांवरिया' में उनकी को-स्टार थीं और करियर की शुरुआत में उन्होंने रणबीर को जो आत्मविश्वास दिया, उसे वह आज भी नहीं भूले हैं। रणबीर कपूर ने रानी मुखर्जी को याद करते हुए कहा कि 'सांवरिया' के दौरान रानी पहली शख्स थीं जिन्होंने उनसे कहा था कि अगर वह मेहनत करेंगे तो बहुत आगे जाएंगे।

रणबीर के मुताबिक, उस समय जब उन्हें सबसे ज्यादा सहारे और भरोसे की जरूरत थी, रानी के शब्दों ने उन्हें भीतर से मजबूत बनाया। उन्होंने कहा कि वह रानी को सिर्फ एक बेहतरीन अभिनेत्री के तौर पर ही नहीं, बल्कि एक इंसान के रूप में भी बहुत करीब से जानते हैं। उनकी गरिमा, आकर्षण और अभिनय प्रतिभा ने उन्हें हमेशा प्रभावित किया है। रणबीर का मानना है कि रानी मुखर्जी भारतीय सिनेमा की उन चुनिंदा अभिनेत्रियों में से हैं, जिन्हें पीढ़ियां याद रखेंगी।

उन्होंने कहा कि रानी की 30 साल की आइकॉनिक विरासत का जश्न मनाने के लिए पूरे इंडस्ट्री का एक साथ आना वाकई खास है। रानी ने अपने किरदारों और फिल्मों के चयन से न सिर्फ खुद को अलग पहचान दी, बल्कि स्क्रीन पर महिलाओं को दिखाने का नजरिया भी बदला है। रणबीर ने यह भी कहा कि रानी का सिनेमा हमेशा लोगों को खुशी देने और समाज को कुछ सोचने पर मजबूर करने वाला रहा है। इस बीच, रानी मुखर्जी की 'मर्दानी 3' ने इंटरनेट पर तहलका मचा रखा है। यह फिल्म महिलाओं के खिलाफ अपराध जैसे गंभीर सामाजिक मुद्दे को फिर से मजबूती से उठाती है। इस बार कहानी देशभर में कम आय वर्ग से आने वाली 8-9 साल की मासूम बच्चियों के अपहरण के भयावह सच को सामने लाएगी।

'बॉर्डर 2' देखने का अमीषा पटेल को बेसब्री है इंतजार

हाल ही में अभिनेत्री अमीषा पटेल ने 'बॉर्डर 2' को लेकर अपनी खुशी और उत्साह जाहिर किया। उन्होंने कहा कि फिल्म को लेकर वह बेहद उत्साहित हैं और खास तौर पर तारा सिंह जैसे आइकॉनिक किरदार की झलक देखकर उन्हें काफी रोमांच महसूस हो रहा है। अमीषा ने कहा कि उन्हें पूरा भरोसा है कि फिल्म में वरुण धवन, दिलजीत दोसांझ और अहान शेट्टी समेत सभी कलाकारों ने शानदार काम किया होगा। उन्होंने यह भी कहा कि वह फिल्म और उसके गानों को बड़े पर्दे पर महसूस करने के लिए बेसब्री से इंतज़ार कर रही हैं। फिल्म की तुलना को लेकर अमीषा पटेल ने साफ राय रखी। उन्होंने कहा कि उन्होंने अभी तक 'बॉर्डर 2' नहीं देखी है, लेकिन 1997 की 'बॉर्डर' जरूर देखी है। इसके बावजूद जिस तरह से दर्शक इस नई फिल्म को पसंद कर रहे हैं, उससे साफ है कि पूरी टीम ने बेहतरीन काम किया है। उन्होंने 'गदर' और 'गदर 2' का उदाहरण देते हुए कहा कि शुरुआत में दोनों फिल्मों की तुलना हुई थी, लेकिन 'गदर 2' की सफलता के बाद सभी ने माना कि वह अपने आप में एक अलग और शानदार फिल्म है।

अमीषा के मुताबिक फिल्मों की तुलना करना सही नहीं होता, क्योंकि इससे गलत धारणाएं बनती हैं और हर फिल्म को अपनी पहचान के साथ देखा जाना चाहिए। अनुराग सिंह के निर्देशन में बनी 'बॉर्डर 2' में नई कहानियों और नए चेहरों को शामिल किया गया है। फिल्म में वरुण धवन, दिलजीत दोसांझ और अहान शेट्टी भारतीय सेना के जवानों के किरदार में नज़र आ रहे हैं, जबकि मोना सिंह, सोनम बाजवा, मेधा राणा और अन्या सिंह अहम भूमिकाओं में दिखाई दे रही हैं। 23 जनवरी को रिलीज़ हुई इस फिल्म के गाने भी दर्शकों के बीच खासे लोकप्रिय हो रहे हैं और उन्हें नॉस्टेल्जिया का एहसास दिला रहे हैं। 'बॉर्डर 2' को गुलशन कुमार और टी-सीरीज के बैनर तले बनाया गया है।

फिल्म के निर्माता भूषण कुमार, कृष्ण कुमार, जेपी दत्ता और निधि दत्ता हैं। बता दें कि सिनेमाघरों में रिलीज़ होने के बाद फिल्म 'बॉर्डर 2' बॉक्स ऑफिस पर लगातार अच्छी कमाई कर रही है और दर्शकों का दिल जीतने में भी सफल साबित हो रही है। 1997 में आई सुपरहिट और यादगार फिल्म 'बॉर्डर' की इस सीक्वल ने न सिर्फ पुरानी यादों को ताज़ा किया है, बल्कि नई पीढ़ी के दर्शकों को भी देशभक्ति के जज्बे से जोड़ दिया है। आम दर्शकों से लेकर फिल्म इंडस्ट्री से जुड़े लोग तक, हर तरफ फिल्म की चर्चा और तारीफ हो रही है।

अपनी सेहत को लेकर मजेदार किस्सा सुनाया ऋतिक रोशन ने

हाल ही में बॉलीवुड फिल्म निर्माता गोल्डी बहल की बर्थडे पार्टी में बॉलीवुड अभिनेता ऋतिक रोशन को बैसाखी के सहारे चलते देखा गया था, जिसके बाद फैंस उनकी सेहत को लेकर चिंतित हो गए थे। अब अभिनेता ने इंस्टाग्राम पोस्ट के जरिए इसकी वजह साफ कर दी है। ऋतिक ने बताया कि उनके बाएं घुटने में अचानक दर्द उभर आया, जिससे चलने-फिरने में दिक्कत होने लगी। उन्होंने लिखा कि उनके शरीर के हर हिस्से में जैसे कोई 'ऑन/ऑफ' बटन लगा हो। कभी बायां पैर जवाब दे देता है, तो कभी कंधा या दायां टखना अचानक काम करने से मना कर देता है। ऋतिक ने इसे सिर्फ शारीरिक नहीं, बल्कि एक तरह की मनोदशा भी बताया। अपने खास अंदाज में उन्होंने लिखा, 'कभी मेरे बाएं पैर को बैसाखी की जरूरत पड़ती है, तो कभी बायां कंधा और दायां टखना एक्टिव हो जाते हैं या अचानक बंद हो जाते हैं। लगता है मेरे शरीर के हर हिस्से की अपनी अलग ही मर्जी है।' ऋतिक ने अपनी हालिया शूटिंग से जुड़ा एक मजेदार किस्सा भी शेयर किया। उन्होंने बताया कि एक गंभीर सीन के दौरान उनका डायलॉग था 'क्या आप डिनर के लिए घर आना चाहेंगे?' लेकिन उनकी जुबान 'डिनर' शब्द बोलने से मना कर रही थी। ऐसे में उन्होंने हर टेक में चतुराई से 'डिनर' की जगह 'लंच' कहना शुरू कर दिया, क्योंकि शुक्र था कि 'लंच' शब्द अभी भी बोला जा सकता था।

उन्होंने आगे लिखा कि पहली बार गलत शब्द निकलने पर हैरानी हुई, लेकिन जब वही गलती दोबारा हो गई तो उन्होंने सलमान खान स्टाइल में हाथ उठाकर रीटेक का इशारा किया, ताकि इसे महज एक छोटी सी चूक साबित किया जा सके। ऋतिक ने अपनी इन शारीरिक परेशानियों को हल्के-फुल्के और आत्मस्वीकृति वाले अंदाज में पेश किया, जिससे फैंस भी राहत महसूस कर रहे हैं। गौरतलब है कि बीते शनिवार को बैसाखी के सहारे चलते हुए उनका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ था, जिसके बाद से ही उनके चाहने वाले परेशान थे। बता दें कि ऋतिक रोशन अक्सर सोशल मीडिया पर फैंस से खुलकर जुड़ते हैं। इस बार उन्होंने अपनी सेहत से जुड़ी परेशानियों को ईमानदारी और मजाकिया अंदाज में साझा किया है।

माही विज फिर चर्चा में

टीवी इंडस्ट्री की जानी-मानी एक्ट्रेस माही विज एक बार फिर चर्चा में हैं, लेकिन इस बार वजह उनकी कोई नई सीरीज़ या शो नहीं, बल्कि अपनी बेटी तारा के लिए किया गया खास तोहफा है। पति और अभिनेता जय भानुशाली से तलाक के बाद माही ने जिस मजबूती और आत्मनिर्भरता के साथ अपनी जिंदगी को आगे बढ़ाया है, वह कई महिलाओं के लिए मिसाल बन चुकी है। तलाक के बाद माही को सोशल मीडिया पर काफी ट्रोलिंग का सामना करना पड़ा, लेकिन उन्होंने हर आलोचना का जवाब अपनी उपलब्धियों से दिया। पहले खुद के लिए नई कार खरीदी, फिर अपने नए घर की झलक फैंस के साथ साझा की और अब उन्होंने अपनी नन्हीं बेटी तारा को करीब 50 लाख रुपये की लग्जरी मिनी कूपर कार गिफ्ट कर सबका ध्यान खींच लिया है। बताया जा रहा है कि यह कार तारा का सपना थी, जिसे माही ने पूरा किया। सोशल मीडिया पर कार के साथ तस्वीरें वायरल होते ही फैंस माही की जमकर तारीफ कर रहे हैं। कई यूजर्स ने उन्हें 'स्ट्रॉन्ग सिंगल मदर' और 'इंस्पिरेशन' बताया।

फिटनेस का शानदार नमूना पेश किया अक्षरा सिंह ने

अपनी फिटनेस और मेहनत का भोजपुरी अभिनेत्री अक्षरा सिंह ने फिर शानदार नमूना पेश किया है। अभिनेत्री अपनी फिटनेस को लेकर बेहद गंभीर हैं और नियमित रूप से जिम में एक्सरसाइज करती हैं। उन्होंने अपनी कुछ नई तस्वीरें इंस्टाग्राम पर शेयर कीं, जिनमें वे अपनी टोंड और फिट बॉडी फ्लॉन्ट करती नजर आईं। उनकी यह फिटनेस जर्नी फैंस के लिए मोटिवेशन का स्रोत बनी हुई है। इस बार भी उन्होंने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम अकाउंट पर कुछ तस्वीरें पोस्ट कीं, जिसमें वे लटकते हुए पुल-अप्स और हैंगिंग लेग रेज करती दिख रही हैं। कुछ तस्वीरों में वे ओपन जिम में एक्सरसाइज करती दिख रही हैं, तो कुछ में उनके मजबूत आर्म्स, टाइट एब्स और संपूर्ण फिट बॉडी साफ नजर आ रही है। स्पोर्ट्सवियर में उनका लुक एनर्जेटिक और आकर्षक लग रहा है। तस्वीरों को देखकर फैंस अंदाजा लगा सकते हैं कि अक्षरा फिटनेस को कितनी गंभीरता से लेती हैं। पोस्ट में उन्होंने सिर्फ एक इमोजी का इस्तेमाल किया है, लेकिन फैंस कमेंट सेक्शन में उनकी जमकर तारीफ कर रहे हैं। अक्षरा सिंह ने सत्यमेव जयते से डेब्यू किया था और इसके बाद उन्होंने भोजपुरी सिनेमा में कई हिट फिल्में दी हैं, जिनमें सत्या, सरकार राज, मां तुझे सलाम, धड़कन, तबादला, सत्य, प्रेम विवाह, साथिया, दिलेर, सौगंध गंगा मैया के शामिल हैं। इसके अलावा वे टीवी शो बिग बॉस ओटीटी, सर्विस वाली बहू, पोरस और काला टीका में भी नजर आ चुकी हैं। अभिनेत्री जल्द ही निरहुआ के साथ फिल्म सात फेरे चार वचन और अम्बे है मेरी मां में दिखाई देंगी। दोनों फिल्मों की शूटिंग पूरी हो चुकी है और अब ट्रेलर रिलीज का इंतजार है।

सोहा अली ने जताया पति पर प्यार

बॉलीवुड के सबसे सादगी भरे और पसंदीदा कपल्स में शुमार सोहा अली खान और कुणाल खेमू आज अपनी शादी की 11वीं सालगिरह मना रहे हैं। इस खास मौके पर सोहा अली खान ने अपने पति कुणाल खेमू के लिए एक भावुक और प्यार से भरा पोस्ट सोशल मीडिया पर शेयर किया, जिसने फैंस का दिल जीत लिया है। सोहा ने अपनी शादी के सफर को याद करते हुए लिखा कि कुणाल से शादी करना उनके जीवन का सबसे अच्छा फैसला रहा है। उन्होंने पति के साथ बिताए पलों, दोस्ती, समझ और सपोर्ट को अपने रिश्ते की सबसे बड़ी ताकत बताया। पोस्ट के साथ शेयर की गई तस्वीरों में कपल की शानदार केमिस्ट्री साफ झलक रही है। सोहा और कुणाल ने 25 जनवरी 2015 को शादी की थी। शादी के बाद दोनों ने न सिर्फ अपने प्रोफेशनल करियर में संतुलन बनाए रखा, बल्कि अपनी पर्सनल लाइफ को भी हमेशा लाइमलाइट से दूर और सादगी से जिया। दोनों एक बेटी इनाया के माता-पिता हैं और अक्सर फैमिली मोमेंट्स सोशल मीडिया पर शेयर करते रहते हैं। सोहा के इस पोस्ट पर फैंस और सेलेब्स जमकर प्यार लुटा रहे हैं। कई लोगों ने कपल को 'रियल रिलेशनशिप गोल्स' बताया है।

हिंदी सिनेमा अपनी जड़ों से हो गया है दूर: प्रकाश राज

नेशनल अवॉर्ड विनर प्रकाश राज एक बार फिर से अपने बयान को लेकर सुर्खियों में आ गए हैं। उनका मानना है कि मेनस्ट्रीम हिंदी सिनेमा अपनी जड़ों से दूर हो गया है, और ज्यादा से ज्यादा नकली और पैसे पर फोकस हो गया है। प्रकाश ने हिंदी सिनेमा की खुलकर आलोचना की। रिपोर्ट के अनुसार, प्रकाश ने कहा, अभी के समय में, मुझे लगता है कि मलयालम और तमिल सिनेमा बहुत अच्छी फिल्में बना रहे हैं... दूसरी ओर, हिंदी सिनेमा अपनी जड़ों से भटक गया है। सब कुछ सुंदर, शानदार, प्लास्टिक जैसा दिखता है, जैसा कि आप मैडम तुसाद म्यूजियम में देखते हैं। हमारे (साउथ सिनेमा) पास अभी भी दिखाने के लिए कहानियां हैं; तमिल के नए युवा डायरेक्टर दलित मुद्दों पर बात कर रहे हैं और इससे बहुत उम्मीद मिलती है। इंडस्ट्री ने दर्शकों के साथ अपना कनेक्शन खो दिया है।

प्रकाश राज ने आगे कहा, मल्टीप्लेक्स आने के बाद, बॉम्बे फिल्म इंडस्ट्री सिर्फ मल्टीप्लेक्स के लिए फिल्में बनाने लगी, क्योंकि वे अच्छा चल रही थीं। वे उस पेज 3 कल्चर में चले गए, और इसके साथ ही ग्रामीण राजस्थान और बिहार से उनका कनेक्शन खत्म हो गया... आज, सब कुछ पैसे और दिखावे के बारे में है -- रील्स, पेज 3 कवरेज, और जोरदार सेल्फ-प्रमोशन। मुझे लगता है कि इस चक्कर में इंडस्ट्री ने दर्शकों के साथ अपना कनेक्शन खो दिया है। बता दें कि प्रकाश राज आखिरी बार हिंदी फिल्म तेरे इश्क में में दिखे थे। इस मूवी में उनके साथ धनुष और कृति सेनन लीड रोल में थे। इस मूवी में उन्होंने धनुष के पिता का किरदार निभाया था।

प्रकाश राज अब जल्द ही पॉलिटिकल एक्शन ड्रामा जना नायकन में नजर आएंगे। यह एक्टर के तौर पर विजय की आखिरी फिल्म होगी। प्रकाश राज हिंदी के अलावा कन्नड़, तमिल, मलयालम, इंग्लिश और मराठी फिल्मों के लिए काम करते हैं। वो 5 बार नेशनल अवॉर्ड जीत चुके हैं। उन्होंने अपने करियर में 400 से ज्यादा फिल्में की हैं। एक्टर प्रकाश राज ने साउथ से लेकर बॉलीवुड तक अपनी एक्टिंग का दम दिखाया। प्रकाश अपनी शानदार फिल्मों जैसे सिंघम, दबंग 2 और वांटेड के लिए जाने जाते हैं। प्रकाश अपने बेबाक बयानों के लिए भी जाने जाते हैं।

महुआ ने बदली महिलाओं की तकदीर

वन धन योजना से आत्मनिर्भर बनीं राजनांदगांव की आदिवासी महिलाएं

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर।

छत्तीसगढ़ के जंगलों में बिखरा महुआ अब सिर्फ कच्चा वनोपज नहीं रहा। वन धन विकास केंद्र योजना* के जरिए यह ग्रामीण और आदिवासी महिलाओं के लिए आय और आत्मनिर्भरता का मजबूत जरिया बन गया है। राज्य शासन और केंद्र के जनजातीय कार्य मंत्रालय की इस पहल ने महिलाओं को प्रशिक्षित उद्यमी बना दिया है।

कोरिनभाठा की महिलाओं की सफलता

राजनांदगांव जिले के कोरिनभाठा वन धन विकास केंद्र की महिलाएं इसका सबसे बड़ा उदाहरण हैं। पहले ये महिलाएं सिर्फ महुआ संग्रह कर कम दाम में बेच देती थीं। अब प्रशिक्षण के बाद वे महुआ से लड्डू, कुकीज, एनर्जी बार, स्क्वैश और जैम जैसे मूल्यवर्धित उत्पाद बना रही हैं। आधुनिक प्रसंस्करण और आकर्षक पैकेजिंग की वजह से इन उत्पादों की बाजार में अच्छी मांग है। इससे न सिर्फ उनकी आमदनी बढ़ी है, बल्कि परिवार की आर्थिक स्थिति भी मजबूत हुई है।

प्रशिक्षण से मिला कौशल

वन धन केंद्रों में महिलाओं को सिर्फ उत्पाद बनाना ही नहीं सिखाया जा रहा। उन्हें *गुणवत्ता नियंत्रण, स्वच्छ उत्पादन, पैकेजिंग, लेबलिंग, भंडारण और विपणन की पूरी जानकारी दी जा रही है। इसी वजह से वे बाजार की मांग के अनुसार बेहतर उत्पाद बना पा रही हैं और उन्हें उचित मूल्य भी मिल रहा है। महुआ के मूल्यवर्धन से उसकी उपयोगिता और बाजार मूल्य दोनों बढ़े हैं। इससे गांवों में रोजगार के नए अवसर खुले हैं। अब कच्चे महुआ के बजाय उससे बने तैयार उत्पादों की बिक्री से महिलाओं की आय कई गुना बढ़ गई है।

छत्तीसगढ़ हर्बल्स से मिला बाजार

महिलाओं द्वारा तैयार इन उत्पादों को छत्तीसगढ़ हर्बल्स ब्रांड के माध्यम से राज्यभर में बेचा जा रहा है। छत्तीसगढ़ राज्य लघु वनोपज संघ की यह पहल वन शहद, एलोवेरा जेल, हर्बल जूस, महुआ उत्पाद और आयुर्वेदिक तेलों को महिला स्व-सहायता समूहों के जरिए बाजार तक पहुंचा रही है। इससे वन आधारित उत्पादों को नई पहचान मिली है और आदिवासी महिलाओं को अपने उत्पाद बेचने का बड़ा मंच मिला है।

आत्मनिर्भरता की नई दिशा

जनजातीय कार्य मंत्रालय और ट्राइफेड की पहल पर 2018 में शुरू हुई वन धन योजना का मकसद वनोपज संग्रह करने वाले आदिवासी समुदायों को प्रशिक्षित कर उन्हें उद्यमी बनाना है। कोरिनभाठा की महिलाएं साबित कर रही हैं कि सही प्रशिक्षण, तकनीक और विपणन सहयोग मिले तो वन संपदा को रोजगार और समृद्धि का आधार बनाया जा सकता है। यह योजना आज ग्रामीण अर्थव्यवस्था को नई दिशा दे रही है और महिलाओं को आत्मनिर्भर बना रही है।

विधायक रिकेश शुरू करेंगे सोलह योजनाएं, वैशाली नगर में Gen से लेकर 60 वर्ष तक के नागरिकों के लिए जनकल्याणकारी योजनाओं की अनूठी पहल

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई नगर,

वैशाली नगर विधानसभा क्षेत्र के विधायक रिकेश सेन ने युवाओं और नागरिकों को शिक्षा, रोजगार तथा डिजिटल रूप से सशक्त बनाने के उद्देश्य से विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की पहल की है। इन योजनाओं का उद्देश्य क्षेत्र के युवाओं को शिक्षा, रोजगार, डिजिटल सुविधा और व्यक्तिगत विकास के बेहतर अवसर उपलब्ध कराना है।

इस पहल के तहत युवाओं के लिए निःशुल्क लर्निंग लाइसेंस, जन्मदिन पर मूवी टिकट, आर्थिक रूप से कमजोर बच्चों के लिए निःशुल्क वाई-फाई तथा 12वीं पास युवाओं को निजी क्षेत्र में रोजगार के लिए 10 हजार रुपये वेतन वाली नौकरी की व्यवस्था सहित कुल 16 योजनाएं जेनजी के लिए प्रारंभ की जा रही हैं। इन योजनाओं के लिए 10 अगस्त को लोकांगन परिसर में जेनजी फार्म भर सकेंगे।

आपको बता दें कि बीए, बीकाम और बीएससी विद्यार्थियों के लिए निःशुल्क कोचिंग तथा प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करने वाले युवाओं के लिए निःशुल्क प्रशिक्षण की भी योजना है। कंप्यूटर सीखने के इच्छुक बच्चों को भी निःशुल्क कंप्यूटर प्रशिक्षण उपलब्ध कराया जाएगा।

योजनाओं में बच्चों के लिए दीपावली पर विशेष उपहार तथा जन्मदिन पर पांच लीटर पेट्रोल और केक देने की पहल भी शामिल है। कोटा, राजस्थान में कोचिंग करने वाले बच्चों के लिए निःशुल्क हॉस्टल सुविधा उपलब्ध कराने का प्रावधान रखा गया है। वैशाली नगर

विधानसभा के रहवासियों के लिए श्री सेन की योजनाओं में जेनजी के लिए देश के किसी भी धार्मिक स्थल के दर्शन के लिए जाने वाले पात्र लोगों को एक तरफ का ट्रेन किराया निःशुल्क उपलब्ध कराने की योजना भी शामिल है। इन योजनाओं का लाभ वैशाली नगर विधानसभा क्षेत्र के पात्र Gen युवाओं को मिलेगा।

30 से 60 वर्ष के नागरिकों के लिए निःशुल्क कंप्यूटर प्रशिक्षण

डिजिटल युग में नागरिकों को तकनीकी रूप से सक्षम बनाने विधायक रिकेश सेन के जन्मदिवस के अवसर पर निःशुल्क कंप्यूटर साक्षरता प्रशिक्षण कार्यक्रम भी प्रारंभ किया जा रहा है। कार्यक्रम में 30 से 60 वर्ष आयु वर्ग के शिक्षित महिला एवं पुरुष शामिल हो सकेंगे। जिसके लिए पंजीयन 10 अगस्त 2026 से विधायक रिकेश सेन के कार्यालय में शुरू होगा। प्रशिक्षण इंदू आईटी स्कूल कैंपस कुरुद रोड कोहका भिलाई की कंप्यूटर लैब में आयोजित किया जाएगा। प्रशिक्षण की अवधि डेढ़ माह रहेगी तथा कक्षाएं प्रतिदिन शाम 5:15 से 6:45 बजे तक संचालित होंगी। प्रशिक्षण में कंप्यूटर संचालन, हिंदी एवं अंग्रेजी टाइपिंग, एमएस वर्ड, एक्सल, पेंट ब्रश, इंटरनेट और ई-मेल का उपयोग सिखाया जाएगा। इसके साथ जीमेल बनाना, ऑनलाइन आवेदन, सरकारी सेवाओं का उपयोग, आधार एवं पेन कार्ड डाउनलोड करना तथा यूपीआई और ऑनलाइन बैंकिंग जैसी डिजिटल सुविधाओं का प्रशिक्षण दिया जाएगा। प्रतिभागियों को आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) की मूल जानकारी और दैनिक जीवन में इसके उपयोग से भी परिचित कराया जाएगा। प्रशिक्षण पूरी तरह निःशुल्क रहेगा तथा प्रत्येक बैच में सीटें सीमित होंगी। इसका पंजीयन भी 10 अगस्त से शुभारंभ पश्चात लोकांगन और इसके बाद विधायक कार्यालय से होगा। सीटें भर जाने की स्थिति में आवेदकों का पंजीयन सुरक्षित रखा जाएगा और उन्हें अगले बैच की प्रशिक्षण तिथि प्रदान की जाएगी। पंजीयन कराने वाले प्रत्येक पात्र अभ्यर्थी को प्रशिक्षण का अवसर देने की बात कही गई है। विधायक रिकेश सेन ने कहा कि इस पहल का उद्देश्य वैशाली नगर विधानसभा क्षेत्र के युवाओं और नागरिकों को शिक्षा, रोजगार एवं डिजिटल ज्ञान के माध्यम से आत्मनिर्भर बनाना है।

श्री शंकराचार्य कॉलेज में यातायात जागरूकता, महिला और साइबर सुरक्षा पर कायर्शाला

600 से अधिक छात्र-छात्राओं को दिए गए सुरक्षित नागरिक बनने के टिप्स

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर।

यातायात पुलिस, पुलिस कमिश्नरेट रायपुर द्वारा मुजगहन स्थित श्री शंकराचार्य इंस्टीट्यूट ऑफ प्रोफेशनल मैनेजमेंट एंड टेक्नोलॉजी में यातायात जागरूकता, महिला सुरक्षा और साइबर सुरक्षा पर विशेष कायर्शाला आयोजित की गई। कायर्शाला में एसीपी ट्रैफिक स्नेहिल साहू, यातायात प्रशिक्षक टी.के. भोई और साइबर सेल के अधिकारियों ने विद्यार्थियों को सुरक्षित, जिम्मेदार और जागरूक नागरिक बनने के उपाय बताए।

महिला सुरक्षा और आत्मरक्षा पर जोर

कार्यक्रम में छात्राओं को महिला सुरक्षा से जुड़े कानूनों, हेल्पलाइन सेवाओं और आपातकालीन उपायों की जानकारी दी गई। उन्हें छेड़छाड़ या किसी भी अपराध की सूचना तत्काल पुलिस को देने के लिए प्रेरित किया गया। इस दौरान छात्राओं को महिला सुरक्षा, पिंक पेट्रोल यूनिट और अभिव्यक्ति ऐप के बारे में भी बताया गया। महिलाओं की सुरक्षा में समाज की भागीदारी और संवेदनशीलता पर विशेष बल दिया गया।

यातायात नियमों का पालन जरूरी

यातायात प्रशिक्षक टी.के. भोई ने सड़क सुरक्षा, हेलमेट और सीट बेल्ट के अनिवार्य उपयोग, यातायात संकेतों का पालन और नशे की स्थिति में वाहन न चलाने की जानकारी दी।

उन्होंने रायपुर कमिश्नरेट क्षेत्र में संचालित यातायात दफ्छ और दफ कोड से पंजीकृत ई-रिक्शा के बारे में भी जानकारी साझा की।

साइबर अपराध से बचाव के उपाय बताए

साइबर सेल के अधिकारियों ने विद्यार्थियों को साइबर बुलिंग, ऑनलाइन फ्रॉड, फर्जी लिंक, ओटीपी साझा करने के दुष्परिणाम और सोशल मीडिया के सुरक्षित उपयोग के बारे में बताया।

उन्होंने कहा कि किसी भी संदिग्ध ऑनलाइन गतिविधि की सूचना तुरंत पुलिस या संबंधित एजेंसी को दें और डिजिटल दुनिया में सतर्क रहें। कायर्शाला में उपस्थित लगभग 600-700 छात्र-छात्राओं ने यातायात नियमों का पालन करने, महिला सम्मान और सुरक्षा के प्रति सजग रहने तथा साइबर सुरक्षा के नियमों का पालन करने का संकल्प लिया। कार्यक्रम के अंत में विशेषज्ञों ने विद्यार्थियों के सवालों के जवाब दिए और उनसे अपने परिवार व समाज में भी जागरूकता फैलाने की अपील की। कार्यक्रम में कॉलेज के शिक्षकगण भी उपस्थित रहे।

तालाब किनारे मिले शव का 48 घंटे में खुलासा

रायपुर. जिले के अभनपुर थाना क्षेत्र में तालाब किनारे मिले युवक के शव की गुत्थी पुलिस ने महज 48 घंटे में सुलझा ली। इस अंधे कत्ल के पीछे कोई बाहरी दुश्मन नहीं, बल्कि मृतक की पत्नी ही निकली। पुलिस ने आरोपी पत्नी को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस के अनुसार मृतक की पहचान *परमेश्वर सिदार (30) पिता जलसिंग सिदार, निवासी ग्राम तोरला, पोस्ट शक्ति, थाना झरबन, जिला बरगढ़ (ओडिशा) के रूप में हुई है। वह पिछले 6 महीने से अभनपुर के ग्राम टोकरो स्थित तालाब में चौकीदारी का काम कर रहा था। मंगलवार को ग्रामीणों ने तालाब किनारे संदिग्ध परिस्थितियों में युवक का शव देखा। सूचना पर अभनपुर पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव को कब्जे में लेकर हत्या का मामला दर्ज किया और जांच शुरू की।

जांच के दौरान पुलिस को मृतक की पत्नी *तिजिया सिदार (26) पर संदेह हुआ। पुलिस ने उसे हिरासत में लेकर पूछताछ की तो उसने अपना जुर्म कबूल कर लिया। आरोपी महिला ने बताया कि उसका पति रोजाना शराब पीकर मारपीट और झगड़ा करता था। लगातार प्रताड़ना और घरेलू विवादों से तंग आकर उसने पति की हत्या कर दी। अभनपुर पुलिस की त्वरित कारर्वाई से अंधे कत्ल की यह गुत्थी दो दिन में सुलझ गई। पुलिस ने आरोपी महिला तिजिया सिदार को गिरफ्तार कर न्यायिक प्रक्रिया शुरू कर दी है। मामले में आगे की वैधानिक कारर्वाई जारी है।

"यह समाचार पत्र आलोक तिवारी द्वारा 80/बी, मैत्री विहार, राधिका नगर, सुपेला, भिलाई, जिला दुर्ग, (छत्तीसगढ़)-490023 से आलोक तिवारी की ओर से प्रकाशित की जाती है, जिसका संपादन आलोक तिवारी द्वारा किया जाता है तथा इसका मुद्रण समय दर्शन प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स द्वारा प्लॉट नं. 339/6, गली नं. 02, पाटन, थाना उतई, दुर्ग, (छ.ग.)-491111 पर किया जाता है। (समाचार चयन के लिए PRP Act, 2023 के तहत संपादक जिम्मेदार है)। समस्त विवादों का निपटारा न्यायालयीन क्षेत्र दुर्ग होगा।" संपादक आलोक तिवारी, मो. 74154-69100